हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 276, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 26 मार्च, 2022 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में कई बड़े चेहरे बाहर, विधायक बनने के बाद भी नहीं बनाए गए मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद योगी आदित्यनाथ ने दूसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। उनके साथ दो डिप्टी सीएम सहित 52 मंत्रियों ने भी सरकार चलाने की तैयारी की, लेकिन कई बड़े चेहरे चुनाव जीतने के बाद भी सरकार से बाहर हैं। आज योगी आदित्यनाथ यूपी में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 52 मंत्रियों के साथ शपथ ली। योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 में छह बड़े चेहरों के साथ मोहसिन रजा को सरकार में शामिल नहीं किया गया है। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे सतीश महाना, श्रीकांत शर्मा, सिद्धार्थनाथ सिंह, महेन्द्र सिंह तथा नीलकंठ तिवारी को इस बार सरकार में जगह नहीं मिली है। इनके साथ ही कैबिनेट मंत्री रहे आशुतोष टंडन 'गोपाल जी' तथा राज्य मंत्री मेहसिन रजा को योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 में शामिल नहीं किया गया है। सतीश महाना कानपुर के महाराजपुर, श्रीकांत शर्मा मथुरा, सिद्धार्थनाथ सिंह इलाहाबाद पश्चिम आशुतोष टंडन 'गोपाल जी' तथा नीलकंठ तिवारी

ने वाराणसी दक्षिणी विभानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की है। महेन्द्र सिंह तथा मोहसिन रजा विधानसभा परिषद के सदस्य हैं। इनके साथ ही कैबिनेट मंत्री रहे जय प्रताप सिंह तथा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रहे अशोक कटारिया को भी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। इनके साथ कैबिनेट मंत्री राम नरेश अग्निहोत्री तथा रमापति शास्त्री के साथ राज्य मंत्री अतुल गर्ग, श्रीराम चौहान, जय कुमार जैकी, अनिल शर्मा, सुरेश पासी, चौधरी उदय भान सिंह, रामशंकर सिंह पटेल, नीलिमा कटियार, महेश गुप्ता तथा जीएस धर्मेश को भी इस बार मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। मोहसिन रजा की जगह मुस्लिम चेहरे के रूप में दानिश आजाद अंसारी को मौका मिला है। मोहसिन रजा की जगह राज्य मंत्री बने दानिश आजाद अंसारी ने लखनऊ विश्विद्यालय से बीकॉम और फिर मास्टर ऑफ क्वालिटी मैनेजमेंट व मास्टर ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है। युवा चेहरा और बुलंद आवाज वाले अंसारी छह वर्ष तक भाजपा से जुड़े छात्र संगठन यानी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता रहे। 2017 में उनको उर्दू भाषा समिति का सदस्य बनाया गया। 2022 के चुनाव से ठीक पहले भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का महामंत्री बनाया गया। बलिया के रहने वाले दानिश ने लखनऊ में पढ़ाई की है। दानिश आजाद अंसारी मूल रूप से बलिया के बसंतपुर के रहने वाले हैं। 32 वर्षीय दानिश ने 2006 में लखनऊ यूनिवर्सिटी से बी.कॉम की पढ़ाई पूरी की। दानिश ने खुलकर युवाओं के बीच एबीवीपी के साथ-साथ भाजपा और आरएसएस के लिए माहौल बनाया। इसमें भी खासतौर पर मुस्लिम युवाओं के बीच में वह काफी सक्रिय रहे।

केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक बने उपमुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही भारतीय जनता पार्टी को योगी आदित्यनाथ के रूप में विधायक दल के नेता भी दोबारा मिला है। भाजपा का फोकस मिशन 2024 पर है, इसको देखते हुए योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण के साथ पुरानी कैबिनेट में रहे विधायकों का सम्मान भी बरकरार रखा गया है। योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो उपमुख्यमंत्री और 50 मंत्रियों के साथ शपथ ली। इनमें से 22 मंत्री उनकी पहली सरकार के कार्यकाल के हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार में केशव प्रसाद मौर्य ब्रजेश पाठक को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। पार्टी में ब्रजेश पाठक का कद बढ़ाया गया है। इससे तय हो गया कि भाजपा अब ब्राह्मणों की लीडरशिप में बदलाव कर रही है। इसी के साथ दो उपमुख्यमंत्री, 16 कैबिनेट मंत्री, 14 स्वतंत्र प्रभारी और 20 राज्यमंत्री ने शपथ ग्रहण की।

योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 के मंत्री

उप मुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य - उपमुख्यमंत्री
ब्रजेश पाठक - उपमुख्यमंत्री

कैबिनेट मंत्री

स्वतंत्र देव सिंह - मंत्री
सूर्य प्रताप शाही - मंत्री
सुरेश कुमार खन्ना - मंत्री
बेबी रानी मौर्य - मंत्री
लक्ष्मी नारायण चौधरी - मंत्री
जय वीर सिंह - मंत्री
धर्मपाल सिंह - मंत्री
नंद गोपाल नंदी, विधायक - मंत्री
भूपेन्द्र सिंह चौधरी - मंत्री
अनिल राजभर - मंत्री
जितिन प्रसाद - मंत्री
राकेश सचान - मंत्री
अरविंद कुमार शर्मा - मंत्री
योगेंद्र उपाध्याय - मंत्री
आशीष पटेल - मंत्री
संजय निषाद - मंत्री

स्वतंत्र प्रभार

नितिन अग्रवाल - स्वतंत्र प्रभार
कपिल देव अग्रवाल - स्वतंत्र प्रभार
रविन्द्र जायसवाल - स्वतंत्र प्रभार
संदीप सिंह - स्वतंत्र प्रभार
गुलाब देवी - स्वतंत्र प्रभार
गिरीष चंद यादव - स्वतंत्र प्रभार
धर्मवीर प्रजापति - स्वतंत्र प्रभार
असीम अरुण - स्वतंत्र प्रभार
जेपीएस राठौर - स्वतंत्र प्रभार
दयाशंकर सिंह - स्वतंत्र प्रभार
नरेन्द्र कश्यप - स्वतंत्र प्रभार
दिनेश प्रताप सिंह - स्वतंत्र प्रभार
अरुण कुमार सक्सेना - स्वतंत्र प्रभार
दयाशंकर मिश्र दयालु - स्वतंत्र प्रभार

राज्यमंत्री

मयकेश्वर शरण सिंह - राज्य मंत्री
दिनेश खटीक - राज्य मंत्री
संजीय गौंड - राज्य मंत्री
बलदेव सिंह औलख - राज्य मंत्री
अजीत पाल - राज्य मंत्री
जसवंत सैनी - राज्य मंत्री
रामकेश निषाद - राज्य मंत्री
मनोहर लाल 'मुन्नू कोरी' - राज्य मंत्री
संजय गंगवार - राज्य मंत्री
बृजेश सिंह - राज्य मंत्री
केपी मलिक - राज्य मंत्री
सुरेश राही - राज्य मंत्री
सोमेंद्र तोमर - राज्य मंत्री
अनूप प्रधान 'वाल्मीकि' - राज्य मंत्री
प्रतिभा शुक्ला - राज्य मंत्री
राकेश राठौर 'गुरु' - राज्य मंत्री
रजनी तिवारी - राज्य मंत्री
सतीश शर्मा - राज्य मंत्री
दानिश आजाद अंसारी - राज्य मंत्री
विजय लक्ष्मी गौतम - राज्य मंत्री

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही भारतीय जनता पार्टी को योगी आदित्यनाथ के रूप में विधायक दल के नेता भी दोबारा मिला है। भाजपा का फोकस मिशन 2024 पर है, इसको देखते हुए योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण के साथ पुरानी कैबिनेट में रहे विधायकों का सम्मान भी बरकरार रखा गया है। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को शाम को चार बजे अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 50 मंत्रियों के साथ शपथ लेंगे। इनमें से 22 मंत्री उनकी पहली सरकार के कार्यकाल के हैं।

भारत-चीन संबंधः एस जयशंकर की चीनी विदेश मंत्री से हुई तीन घंटे लंबी बातचीत, विदेश मंत्री ने सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को साफ कहा कि भारत-चीन सीमा पर शांति ही दोनों देशों के बीच स्थिर और आपसी रिश्तों का आधार बनेगा। चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के बाद जयशंकर ने यह बात कही। दोनों नेताओं के बीच करीब तीन घंटे लंबी बातचीत चली। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने और चीनी विदेश मंत्री ने स्पष्ट तरीके से अहम मुद्दों पर बातचीत की। चीनी विदेश मंत्री के साथ प्रतिनिधिस्तर की वार्ता के बाद जयशंकर ने कहा कि अभी जो मौजूदा स्थिति है, उसकी प्रगति धीमी है। मेरी आज वांग यी से हुई मुलाकात में इसी में तेजी लाने पर बात हुई है।हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की जो अप्रैल 2020 से चीनी कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप बाधित हुई है। उन्होंने कहा, पिछले दो साल के दौरान सीमाई क्षेत्रों में तनाव का असर दोनों देशों के बीच नजर आया है। सीमा पर शांति दोनों देशों के

बीच स्थिर और सहयोगी संबंधों का आधार है। हमारे बीच इस आधार को मजबूत करने और आज सामने आ रही मुश्किलों को दूर करने का समझौता भी है। वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने वांग यी से कहा कि भारत-चीन संबंध को अगर आगे ले जाना है तो सबसे पहले सीमा पर जल्द और पूरे तरीके से सैनिकों को हटाने पर काम होना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री और डोभाल के बीच हुई मुलाकात में इस बात पर जोर रहा कि दोनों ओर से ऐसा कोई कार्रवाई न हो जिससे उनके बीच एक-दूसरे की सुरक्षा पर कोई आंच आए। चीन के विदेश मंत्री यी गुरुवार को दिल्ली पहुंचे थे। उनकी यात्रा का मुख्य मकसद दोनों देशों के बीच कोरोना महामारी के दौर के बाद प्रत्यक्ष वार्ता शुरू करना है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस साल होने वाली ब्रिक्स देशों की बीजिंग बैठक का न्योता भी देने वाले हैं।

यूपी के सभी मदरसों में राष्ट्रगान हुआ अनिवार्य

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने सभी अनुदानित और गैर अनुदानित मदरसों में नए सत्र से राष्ट्रगान अनिवार्य कर दिया है। हर मदरसे को कक्षाएं शुरू करने से पहले अन्य दुआओं के साथ शिक्षकों और छात्रों को एक साथ राष्ट्रगान गाना होगा। परिषद ने गुरुवार को अपनी बैठक में मुंशी-मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल की परीक्षाएं 14 से 27 मई के बीच कराने का भी निर्णय लिया। 20 मई के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियों और यूपी बोर्ड उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन की वजह कॉलेजों के खाली न होने पर मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं मदरसों में कराई जाएगी। यह निर्णय गुरुवार मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद की अध्यक्षता में बैठक में लिया गया। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने सभी अनुदानित और गैर अनुदानित मदरसों में नए सत्र से राष्ट्रगान अनिवार्य कर दिया है। हर मदरसे को कक्षाएं शुरू करने से पहले अन्य दुआओं के साथ शिक्षकों और छात्रों को एक साथ राष्ट्रगान गाना होगा। परिषद ने गुरुवार को अपनी बैठक में मुंशी-मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल की परीक्षाएं 14 से 27 मई के बीच कराने का भी निर्णय

लिया। 20 मई के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियों और यूपी बोर्ड उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन की वजह कॉलेजों के खाली न होने पर मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं मदरसों में कराई जाएगी। यह निर्णय गुरुवार मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद जावेद की अध्यक्षता में बैठक में लिया गया।

भगवंत मान का बड़ा फैसलाः विधायकों को अब सिर्फ एक कार्यकाल की मिलेगी पेंशन

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम भगवंत मान ने वर्तमान व पूर्व विधायकों की पेंशन पर कटौती का एलान किया है। विधायकों के परिवारों को दिए जाने वाले भत्तों में भी कटौती की जाएगी। वहीं अब पंजाब के विधायकों और पूर्व विधायकों को केवल एक कार्यकाल के लिए पेंशन मिलेगी, चाहे वे कितनी भी बार जीत चुके हों। बता दें कि पंजाब की आर्थिक स्थिति बदहाल है। पंजाब पर लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इसका जिक्र सीएम भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान भी कर चुके हैं। उन्होंने पीएम को राज्य की दयनीय वित्तीय हालत की जानकारी दी और कहा कि पिछली सरकार पंजाब पर तीन लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ गई है। भगवंत मान केंद्र सरकार से दो साल तक सलाना 50 हजार

करोड़ रुपये का वित्तीय पैकेज देने की मांग कर चुके हैं। आज हमने एक और बड़ा फैसला लिया है। पंजाब के विधायकों के पेंशन फॉमूर्ले में बदलाव किया जाएगा। विधायक अब सिर्फ एक ही पेंशन के पात्र होंगे। हजारों करोड़ रुपये जो विधायकों के पेंशन पर खर्च होते थे, अब वह रकम पंजाब के लोगों के हित में खर्च होगी। भगवंत मान, मुख्यमंत्री, पंजाब। छह बार विधायक रहीं पूर्व सीएम राजिंदर कौर भट्ठल, लाल सिंह, सरवन सिंह फिल्लौर को हर महीने तीन लाख 25 हजार रुपये मिलते हैं। रवि इंदर सिंह, बलविंदर सिंह को हर महीने दो लाख 75 हजार रुपये की राशि मिलती है। वहीं 10 बार के विधायक की पेंशन छह लाख 62 हजार प्रतिमाह है।अब सभी पूर्व व मौजूदा विधायकों को सिर्फ 75 हजार रुपये पेंशन मिलेगी। मान सरकार पांच साल में 80 करोड़ रुपये की बचत करेगी और यह राशि जन कल्याणकारी कार्यों में खर्च की जाएगी।

एलएसी पर चीनी घुसपैठ को मिलेगा करारा जवाब भारत बनाने जा रहा 47 नई चौकियां

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा पर सुरक्षा चौकसी और आधारभूत ढांचा मजबूत करने के लिहाज से काम तेज किया गया है। 47 नई सीमा चौकी (बीओपी) और रणनीतिक रूप से कई अहम सड़कों पर काम तेज किया गया है। चीन को रणनीतिक रूप से काउंटर करने के लिए पूरी तत्परता से काम किया जा रहा है। गृह मंत्रालय द्वारा संसदीय पैनल को दी गई जानकारी के मुताबिक भारत-चीन सीमा पर प्रथम चरण की 25 सड़को में बचा हुआ काम तेजी से चल रहा है। जबकि दूसरे चरण के तहत 32 सड़के अलग अलग इलाको में बनाने का काम विभिन्न स्तरों पर चल रहा है। अकेले लद्दाख इलाके में कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़को का निर्माण कार्य किया जा रहा है। भारत-चीन सीमा पर सुरक्षा चौकसी और आधारभूत ढांचा मजबूत करने के लिहाज से काम तेज किया गया है। 47 नई सीमा चौकी (बीओपी) और रणनीतिक रूप से कई अहम सड़कों पर काम तेज किया गया है। चीन को रणनीतिक रूप से काउंटर करने के लिए पूरी तत्परता से काम किया जा रहा है। गृह मंत्रालय द्वारा संसदीय पैनल को दी गई जानकारी के मुताबिक भारत-चीन सीमा पर प्रथम चरण की 25 सड़को में बचा हुआ काम तेजी से चल रहा है। जबकि दूसरे चरण के तहत 32 सड़के अलग अलग इलाको में बनाने का काम विभिन्न स्तरों पर चल रहा है। अकेले लद्दाख इलाके में कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़को का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का विकास भी सरकार के एजेंडे में प्रमुख है। भारत सरकार ने 23 दिसंबर 2020 को 18 फुट ब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी थी इसमें अपेक्षित संख्या में फुट सस्पेंशन ब्रिज, लॉग ब्रिज,स्टेजिंग कैम्प शामिल हैं। इसकी अनुमानित लागत 1162.19 करोड़ रुपये है और कुल 598.27 किलोमीटर का निर्माण किया जाना है।

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले 11 राज्यों में होगा रिहर्सल

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनाव में अपनी सरकार वाले सभी चार राज्यों में जीत के बाद भाजपा में मिशन 2024 की तैयारी शुरू हो गई है। इस बीच 2022 के आखिर में दो और 2023 में नौ राज्यों के चुनाव होने हैं। भाजपा का लक्ष्य इन सभी राज्यों में अपनी या एनडीए की सरकारें बनवाने का है, ताकि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से सकारात्मक माहौल में उतरा जा सके। इसके लिए संगठन को चुस्त-दुरुस्त करना शुरू कर दिया गया है। अप्रैल में पार्टी में कुछ अहम संगठनात्मक बदलाव होने की संभावना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अहमदाबाद में हुई प्रतिनिधि सभा की बैठक में भाजपा संगठन की भी समीक्षा की गई। चूंकि, भाजपा के संगठन मंत्री संघ के प्रचारक होते हैं, इसलिए इनकी नियुक्ति के राजनीतिक मायने काफी अहम माने जाते हैं। इस बैठक के बाद मध्य प्रदेश में पार्टी के संगठन मंत्री को बदला गया है। संगठन मंत्री रहे सुहास भगत को संघ में वापस लाया गया है। उनके साथ सह संगठन मंत्री के रूप में काम कर रहे हितानंद शर्मा को संगठन मंत्री का दायित्व दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, मिशन 2024 को ध्यान में रखते हुए तीन से चार राज्यों में भी संगठन मंत्रियों में बदलाव किए जाने हैं। अगले लोकसभा चुनाव के पहले देश के 11 राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें दो गुजरात व

हिमाचल प्रदेश में इसी साल 2022 के आखिर में चुनाव होने हैं। दोनों में भाजपा की सरकारें हैं। गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य होने से अहम है तो हिमाचल प्रदेश पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा का गृह राज्य है। हिमाचल प्रदेश इसलिए भी अहम है क्योंकि वहां पर बीते दिनों हुए चार उप चुनावों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 2023 का साल सबसे अहम होगा। इस साल में नौ विधानसभा चुनाव है। लोकसभा चुनाव से पहले का साल होने से यह चुनावी तैयारियों को लेकर भी अहम होगा। इन नौ राज्यों में चार पूर्वोत्तर के मेघालय, नागालैंड, मिजोरम व त्रिपुरा हैं। त्रिपुरा में भाजपा की सरकार है और बाकी में राजग के सहयोगी सत्ता में हैं। बड़े राज्यों में कर्नाटक पहले होगा और उसके बाद मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान व तेलंगाना के चुनाव होने हैं। इनमें कर्नाटक व मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है, जबकि कांग्रेस की छत्तीसगढ़ व राजस्थान में और टीआरएस की तेंलगाना में सरकार है। कांग्रेस के पास यही दो राज्य सरकारें बची हैं। सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने संघ के साथ मिलकर मजबूत संगठनात्मक तैयारी शुरू कर दी है। इसमें दोनों सालों में विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के साथ अन्य राज्य भी शामिल हैं। लगभग आधा दर्जन राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष व संगठन स्तर पर भी कई बदलाव किए जाने हैं। अप्रैल माह से यह बदलाव शुरू हो जाएंगे।

छात्राओं को यूनिफॉर्म के रंग का हिजाब पहनकर परीक्षा देने की मिले इजाजत

नई दिल्ली। कर्नाटक के स्कूल और कॉलेज में हिजाब अनिवार्य करने को लेकर विवाद जारी है। इस बीच राज्य विधानसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर यूटी खादर ने छात्राओं को उनकी यूनिफॉर्म के समान रंग के हिजाब पहनकर परीक्षा देने की इजाजत मिलने की मांग की है। विधानसभा को संबोधित करते हुए खादर ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ सीएन अश्वथ नारायण और प्राथमिक शिक्षा मंत्री बी नागेश से इसे लेकर अपील की। उन्होंने कहा कि छात्राओं को परीक्षा देने की इजाजत मिलनी चाहिए क्योंकि यह उन लड़कियों के भविष्य के लिए बहुत अहम है। कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धारमैया ने भी राज्य सरकार से लड़कियों को परीक्षा देने की अनुमति देने की मांग की। वहीं, प्राथमिक शिक्षा मंत्री बी नागेश ने जवाब दिया कि हमें उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करना होगा। भाजपा विधायकों ने हिजाब मुद्दे पर सवाल उठाए और कहा कि स्टूडेंट्स को हाई कोर्ट के फैसले का पालन और सम्मान करना चाहिए। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तारीख तय करने से गुरुवार को इनकार कर दिया। सीनियर वकील देवदत्त कामत ने कर्नाटक में 28 मार्च से आयोजित होने वाली परीक्षाओं का उल्लेख करते हुए हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली कुछ छात्राओं की याचिका पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। इस पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इसका परीक्षा से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक संवेदनशील मामला है। इससे पहले भी अदालत ने हिजाब विवाद पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा था कि होली की छुट्टियों के बाद इस पर विचार किया जाएगा। गुरुवार को चीफ जस्टिस के समक्ष इस मामले को तत्काल सुनवाई के लिए रखा गया था।

चिंतन मनन

संकट में इमरान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पर विपक्ष गद्दी छोड़ने का दबाव बना रहा है लेकिन क्रिकेटर राजनेता बने इमरान इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं। दूसरी तरफ सेना प्रमुख भी इमरान से नाराज हैं। अब मामला संसद में अविश्वास प्रस्ताव के फैसले पर ही अटका हुआ है। विपक्षी दल संसद में अविश्वास प्रस्ताव पेश करना चाहते हैं। इमरान के लिए चिंता की बात यह है कि उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ के भी कई सदस्य उनके खिलाफ खड़े हैं और विपक्षी दलों के साथ हाथ मिला चुके हैं। ऐसे में अगर अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है तो उनकी सरकार गिरनी तय है। इस समय स्थिति साफ है कि 342 सदस्यों वाली संसद में इमरान खान के पास संसद में पर्याप्त नंबर्स नहीं हैं। वहीं सेना ने इस मामले में सीधे तौर पर कोई दखल न देने की बात कही है। जैसे-जैसे नो कॉन्फिडेंस मोशन की तारीख पास आ रही है इमरान खाने के लिए बचने के सारे रास्ते भी बंद हो रहे हैं। अगर इमरान खान इस्तीफा नहीं देते हैं तो इस्लामाबाद के हालात खराब हो सकते हैं और सेना को भी दखल देना पड़ सकता है। अब एक तरफ इमरान खान के सहयोगी बागियों को मनाने में लग गए हैं तो दूसरी तरफ इमरान खान ने इस्लामाबाद में बड़ी जनसभा करने की बात कही है। दरअसल जिस आईएसआई के दम पर वह सरकार चला रहे थे आज वही उन्हें गद्दी से उतार फेंकने पर उतारू है। उधर भारत की सेना और विदेश नीति की तारीफ करने के बाद न केवल सेना के आला अफसर भड़के हुए हैं बल्कि विपक्षी दल इसके सहारे उनके खिलाफ माहौल बना रहे हैं। बीते दिनों उन्होंने रूस से तेल आयात को लेकर भारत की तारीफ की थी और कहा था कि हमारे पड़ोसी देश की विदेश नीति आजाद है। इसके बाद उन्होंने भारतीय सेना की भी तारीख की और कहा कि इंडियन आर्मी भ्रष्ठ नहीं है। वह चुनी हुई सरकार में कभी दखल नहीं देती। कुल मिलाकर पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार पर सियासी संकट छाया हुआ है। नेशनल असेंबली में स्पीकर ने प्रस्ताव पर चर्चा की तारीख 25 मार्च मुकर्रर कर दी है। अगर सदन में विपक्षी दलों के मंसूबे कामयाब हो जाते हैं तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता गंवाने वाले खान पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री होंगे। पाकिस्तान में आर्थिक स्थिति पर तनाव बना हुआ है। बढ़ती महंगाई के चलते इमरान सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष का मानना है कि मुल्क के इस हालात के लिए पीएम खान की सरकार जिम्मेदार है। साथ ही विपक्षी नेता पाकिस्तान पर बढ़ते कर्ज और बेरोजगारी के मुद्दे पर भी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष शहबाज शरीफ का कहना है कि यह फैसला देश के फायदे में लिया गया है। 8 मार्च को विपक्षी दलों के गठबंधन, पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के कुछ वरिष्ठ सांसदों ने खान के खिलाफ सियासी मोर्चा खोल दिया था। उस दौरान दो तरह के दस्तावेज दाखिल किए गए। नेताओं ने संविधान के अनुच्छेद 95 के तहत अविश्वास प्रस्ताव जमा किया। साथ ही अनुच्छेद 54(3) के तहत नेशनल असेंबली का सत्र बुलाने के लिए नोटिस दिया ताकि सदन में प्रस्ताव पेश किया जा सके। नेशनल असेंबली में कुल सदस्यों की संख्या 342 है। इस लिहाज से अविश्वास प्रस्ताव को पास होने के लिए 172 सदस्यों के समर्थन की जरूरत है। पीडीएम के अध्यक्ष फजलुर रहमान का दावा है कि उन्हें 180 का आंकड़ा हासिल है। जानकारों का मानना है कि विपक्ष के पास अविश्वास प्रस्ताव आखिरी दांव की तरह है। ऐसे में अगर उन्हें संख्या पर यकीन नहीं होता तो यह शायद वे यह कदम नहीं उठाते।

मिल-जुल करो काम!

बीत गया चुनाव अब ।
मिल-जुल करो काम ।।
रचनात्मकता ऐसी ।
लगे होने नाम ।।
है देना संदेश ।
मिट गया मतभेद ।।
ठीक नहीं अब आगे ।
करना व्यक्त खेद ।।
रिश्तों में अब और ।
है करना सुधार ।।
मित्रता-शालीनता ।
आगे का आधार ।।
हो गया है न्याय ।
काम पर जुट जाना ।।
भले बनाए लाख ।
बातें ये जमाना ।।

-कृष्णेन्द्र राय

कुशल ब्यूरोक्रेट से बेहतरीन डेमोक्रेट बनने की राह पर ए के शर्मा

प्रखर डेस्क। देश की राजनीति में उत्तर प्रदेश का दखल न हो ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि उत्तर प्रदेश देश की सर्वाधिक आबादी वाला प्रदेश है। देश की ब्यूरोक्रेसी में उत्तर प्रदेश अपनी उपयोगिता सदैव साबित करते आया है।

काबिल और भरोसेमंद अधिकारियों को रिटायरमेंट के बाद एक्सटेंशन देने की परंपरा रही है, लेकिन गुजरात काडर के आईएएस अधिकारी रहे ए के शर्मा का

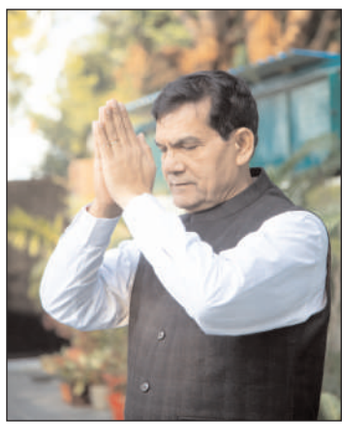

मामला थोड़ा अलग सा है क्योंकि अरविंद शर्मा को 2022 में रिटायर होना था, लेकिन अचानक वीआरएस लेकर उनका भाजपा ज्वाइन करना तथा विधानपरिषद का सदस्य बनना तमाम नए राजनीतिक चचाओं को बल देने के लिए पर्याप्त था।

वक्त के पाबंद और तय समय से पहले टास्क पूरा करने वाले अफसर के रूप में जाने जाने वाले ए के शर्मा के कैरियर का एक और मजबूत पक्ष भी है उनके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ काम करने का लगभग 19-20 साल अनुभव भी है 2001 से लेकर 2013 तक मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते विभिन्न पदों पर काम कर चुके ए के शर्मा उन चुनिंदा अफसरों में से एक हैं जिनको नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात से दिल्ली बुला लिया गया। वो प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव बनाये गये और फिर टरटए विभाग में सचिव रहे।

उत्तर प्रदेश को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन में कुछ बड़ा ही होता है 2014 के आम चुनाव से पहले जब बीजेपी में मोदी का प्रभाव बढ़ा तो अमित शाह को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बना कर भेज दिया और फिर चुनाव होने को हुए तो खुद बनारस पहुंच गये। अभी कुछ साल पहले प्रधानमंत्री मोदी के भरोसेमंद अफसर रहे नृपेंद्र मिश्र यूपी में स्पेशल मिशन पर पहुंचे, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के रूप में तथा अब ए के शर्मा भी उसी कड़ी में आगे की कहानी गढ़ने जा रहे हैं।

बीजेपी ज्वाइन करने के बाद ए के शर्मा ने कहा था कि, 'कल रात में ही मुझे पार्टी ज्वाइन करने के लिए कहा गया था। मुझे खुशी है कि मुझे मौका मिला, मैं एक पिछड़े गांव से निकला हूँ, आईएएस बना और आज बिना किसी राजनीतिक बैकग्राउंड के हुए बीजेपी में आना बड़ी बात है। ए के शर्मा का कहना रहा, 'मेहनत और संघर्ष के बल पर मैंने आईएएस की नौकरी पाई तथा बिना किसी राजनीतिक बैकग्राउंड के व्यक्ति को राजनीतिक पार्टी में लाने का काम सिर्फ बीजेपी और नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं।'

मऊ के मुहम्मदाबाद गोहना तहसील के रानीपुर विकास खंड के अंतर्गत आता काझाखुर्द गांव में ए के शर्मा का जन्म हुआ साल 1962 में हुआ था। स्व० शिवमूर्ति शर्मा और स्व० शांति देवी के तीन बेटों में अरविंद सबसे बड़े हैं, इनसे छोटे वाले भाई अनिल शर्मा भी पीसीएस अधिकारी हैं। इन्होंने गांव के स्कूल से प्राथमिक पढ़ाई करने के बाद डीएवी इंटर कॉलेज से इंटर पास किया। आगे की शिक्षा इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से हुई, वहीं से ग्रैजुएशन और पोस्ट-ग्रैजुएशन किया तथा पीएचडी में एडमिशन लिया लेकिन आईएएस में सलेक्शन हो जाने के बाद पीएचडी करने का सपना अधूरा ही रह गया।

ए के शर्मा के कार्यकाल की कुछ बातें- जब नरेन्द्र मोदी सत्ता में आए तो उस समय ए के शर्मा इंडस्ट्रीज डिपार्टमेंट में एडिशनल कमिशनर के पद पर कार्यरत थे इसके पहले वड़ोदरा में पुनर्वास विभाग में ज्वाइंट कमिश्नर, गांधीनगर के वित्त विभाग में डिप्टी सचिव, खेड़ा में कलेक्टर और खनन विभाग में ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, मेहसाणा में डीएम और उसके पहले एसडीएम के पद पर रह चुके थे। ए के शर्मा को गुजरात में नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री बनने वाले दिन ही मुख्यमंत्री सचिवालय बुला लिया गया एवं सचिव के पद पर नियुक्ति हुई और यहीं से ए के शर्मा और नरेंद्र मोदी के बीच एक अटूट संबंध की शुरूआत हुई। साल 2004 में ए के शर्मा ज्वाइंट सेक्रेटरी बना दिए गए, बाद में एडिशनल प्रिंसिपल सेक्रेटरी बनाकर गांधीनगर के मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिए गए। जहां-जहां नरेंद्र मोदी रहे, वहां-वहां ए के शर्मा भी मौजूद रहे।

अपने गुजरात के कार्यकाल के दरम्यान ए के शर्मा ने बहुत से गेम चेंजर कि स्म के काम किए। साल 2001 में भुज में आए भूकंप में राहत कार्य ने ए के शर्मा की छवि को निखार के रख दिया। तहसीलदार स्तर की पोस्टिंग पर रखकर ए के शर्मा ने पुर्नवास के कार्य को पूरी ईमानदारी और तन्मयता पूर्वक निभाया। जिस कैम्प में ए के शर्मा रहते थे वह हल्के भूकंप के झटकों से रातों में गिर जाया करते थे, बहुत से अधिकारियों ने अपना ट्रांसफर तक करा लिया लेकिन ए के शर्मा अपने दायित्व के प्रति ईमानदार रहे और वह वहां तबतक रहे जबतक विस्थापन का कार्य पूरा नहीं हो गया।

फिर वाइब्रेंट गुजरात, साल 2003 में शुरू हुआ ये गुजरात सरकार का ऐसा जलसा है, जिसकी मदद से गुजरात सरकार निवेशकों को लुभाती है हर दो साल पर इस जलसे का आयोजन किया जाता है ए के शर्मा ही वाइब्रेंट गुजरात के मुख्य योजनाकार रहे

साल 2008 पश्चिम बंगाल का सिंगूर, कलकत्ता से कुछ 50 किलोमीटर दूर बसा ये कस्बा देश के चर्चा का केंद्र बन चुका था। बंगाल में लेफ़्ट की सरकार थी और सरकार ने टाटा कम्पनी को सिंगूर में लखटकिया बनाने के लिए जगह दे दी थी। लखटकिया यानी लाख टके की कार उर्फ. टाटा नैनो लेकिन रतन टाटा का भारत के मध्यम वर्ग को चार पहिए का मालिक बना देने का सपना धराशायी हो रहा था। तब की प्रमुख विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और कई सारे सामाजिक कार्यकर्ता टाटा को प्लांट के लिए सरकार द्वारा उपजाऊ भूमि देने के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे थे कुछ मजदूर और खेतिहर किसान भी इसमें शामिल थे, लाठीचार्ज हुआ, टाटा के लिए ये विरोध भारी था।

आखिरकार टाटा ने अक्टूबर 2008 में ऐलान कर दिया कि वो इस प्लांट को बंगाल के सिंगूर में नहीं लगायेंगे कहते हैं कि रतन टाटा के फोन पर उस समय एक रटर आया, रटर नरेंद्र मोदी ने भेजा था। मैसेज में लिखा था ह्यसुस्वागतम्ह्ल रतन टाटा गुजरात चले गए, यहां पर साणंद में नया प्लांट खोलना था लेकिन साणंद में जमीन का मिलना कठिन था। जिस जमीन पर टाटा की फैक्टरी लगनी थी, वहां कुछ पेच फंसा था एवं पेच सॉल्व करने का ज़िम्मा ए के शर्मा को दिया गया जो उस वक्त मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव के पद पर कार्य कर रहे थे। ए के शर्मा ने पेचीदा से लगते इस जमीन के मामले को कुछ ही हफ़्तों के भीतर इस सॉल्व कर दिया।

देश में आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए जरूरी है राष्ट्रवादी विचारधारा।

वैसे देखा जाए तो लोगों का समूह इतिहास, परंपरा, संस्कृति एवं बोली भाषा के आधार पर अपने आप को विभाजित करता है। इन्हीं विचारों से लोगों को समझ में आया कि अब एक निर्धारित क्षेत्रीय सीमा की आवश्यकता है, जिसमें आपसी सामंजस्य के साथ स्वयं का संप्रभु राष्ट्र के निर्माण की परिकल्पना की जाए। हालांकि दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जो राष्ट्रवाद की एक विचारधारा से पनपा हो या विकास के पथ पर अग्रसर हो। राष्ट्रवाद की परिकल्पना तो एक राष्ट्र से संभव नहीं है जब तक कि वह एक राज्य न बन जाए।स्नाइडर स्वीकार करते हैं कि राष्ट्रवाद को चित्रित करना वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। फिर भी इस विषय में उनके द्वारा दी गई परिभाषा राष्ट्रवाद को प्राप्त करने में सहायक है। जैसा कि उनके द्वारा इंगित किया गया है, 'इतिहास के एक विशिष्ट चरण में राजनीतिक, वित्तीय, सामाजिक और विद्वतापूर्ण कारणों का परिणाम - राष्ट्रवाद एक स्पष्ट कट स्थलाकृतिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों के एक समूह का एक परिप्रेक्ष्य, अनुभव या अनुभूति है जो एक समान भाषा में संवाद करते हैं। , जिनके पास एक लेखन है जिसमें देश की इच्छाओं का संचार किया गया है, जो सामान्य प्रथाओं और तुलनीय परंपराओं को साझा करते हैं, जो अपने निडर पुरुषों से प्यार करते हैं और कभी-कभी एक समान धर्म के होते हैं।राष्ट्रवाद का उदय अट्ठारहवीं और उन्नीसवीं सदी के युरोप में हुआ था, लेकिन अपने केवल दो-ढाई सौ साल पुराने ज्ञात इतिहास के बाद भी यह विचार बेहद शक्तिशाली और टिकाऊ साबित हुआ है। राष्ट्रवाद के प्रतिपादक जॉन गॉटफ्रेड हर्डर थे, जिन्होंने 18वीं सदी में पहली बार इस शब्द का प्रयोग करके जर्मन राष्ट्रवाद की नींव डाली। उस समय यह सिद्धान्त दिया गया कि राष्ट्र केवल समान भाषा, नस्ल, धर्म या क्षेत्र से बनता है। किन्तु, जब भी इस आधार पर समरूपता स्थापित करने की कोशिश की गई तो तनाव एवं उग्रता को बल मिला। जब राष्ट्रवाद की सांस्कृतिक अवधारणा को जोर-जबरदस्ती से लागू करवाया जाता है तो यह अतिराष्ट्रवाद या अन्धराष्ट्रवाद कहलाता है। इसका अर्थ हुआ कि राष्ट्रवाद जब चरम मूल्य बन जाता है तो सांस्कृतिक विविधता के नष्ट होने का संकट उठ खड़ा होता है।राष्ट्रवाद के आधार पर बने कार्यक्रम और राजनीतिक परियोजना के हिसाब से जब किसी राष्ट्र-राज्य की स्थापना हो जाती है तो उसकी सीमाओं में रहने वालों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी विभिन्न अस्मिताओं के ऊपर राष्ट्र के प्रति निष्ठा को ही अहमियत देंगे। वे राष्ट्र के कानून का पालन करेंगे और उसकी आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान भी दे देंगे। यहाँ यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि आपस में कई समानताएँ होने के बावजूद राष्ट्रवाद और देशभक्ति में अल्लतर है। राष्ट्रवाद अनिवार्य तौर पर किसी न किसी कार्यक्रम और परियोजना का वाहक होता है, जबकि देशभक्ति की भावना ऐसी किसी शर्त की मोहताज नहीं है।राष्ट्रवाद का अध्ययन करना इसलिए जरूरी है कि वैश्विक मामलों में यह बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पिछली दो शताब्दियों के दौरान राष्ट्रवाद एक ऐसे सम्मोहक राजनीतिक सिद्धान्त वेफ रूप में उभरा है जिसने इतिहास रचने में योगदान किया है। इसने उत्कट निष्ठाओं के साथ-साथ गहरे विद्वेषों को भी प्रेरित किया है। इसने जनता को जोड़ा है तो विभाजित भी किया है। इसने अत्याचारी शासन से मुक्ति दिलाने में मदद की तो इसके साथ यह विरोध, कटुता और युद्धों का कारण भी रहा है। साम्राज्यों और राष्ट्रों के ध्वस्त होने का यह भी एक कारण रहा है। राष्ट्रवादी संघर्षों ने राष्ट्रों और साम्राज्यों की सीमाओं के निर्धारण-पुनर्निर्धारण में योगदान किया है। आज भी दुनिया का एक बड़ा भाग विभिन्न राष्ट्र-राज्यों में बंटा हुआ है। हालाँकि राष्ट्रों की सीमाओं के पुनसंयोजन की प्रक्रिया अभी खत्म नहीं हुई है और मौजूदा राष्टों के अन्दर भी अलगाववादी संघर्ष आम बात है।लेकिन राष्ट्रवाद बड़े-बड़े साम्राज्यों के पतन में भी सहभागी रहा है। यूरोप में बीसवीं शताब्दी के आरम्भ में ऑस्ट्रियाई-हंगेरियाई और रूसी साम्राज्य तथा इनके साथ एशिया और अप्रफीका में ब्रिटिश, फ्रांसीसी, डच और पुर्तगाली साम्राज्यों के विघटन के मूल में राष्ट्रवाद ही था। भारत तथा अन्य भूतपूर्व उपनिवेशों के औपनिवेशिक शासन से स्वतन्त्र होने के संघर्ष भी राष्ट्रवादी संघर्ष थे। ये संघर्ष विदेशी नियंत्रण से स्वतन्त्र राष्ट्र-राज्य स्थापित करने की आकांक्षा से प्रेरित थे।सत्तर के दशक में होरेस बी. डेविस ने मार्क्सवादी तर्कों का सार-संकलन करते हुए राष्ट्रवाद के एक रूप को ज्ञानोदय से जोड़ कर बुद्धिसंगत करार दिया और दूसरे रूप को संस्कृति और परम्परा से जोड़ कर भावनात्मक बताया। लेकिन, डेविस ने भी राष्ट्रवाद को एक औजार से ज्यादा अहमियत नहीं दी और कहा कि हथौड़े से हत्या भी की जा सकती है और निर्माण भी। राष्ट्रवाद के जरिये जब उत्पीड़ित समुदाय अपनी आजादी के लिए संघर्ष करते हैं तो वह एक सकारात्मक नैतिक शक्ति बन जाता है और जब राष्ट्र के नाम पर आक्रमण की कार्रवाई की जाती है तो उसका नैतिक बचाव नहीं किया जा सकता।? राष्ट्रवाद की सभी मार्क्सवादी व्याख्याओं में सर्वाधिक चमकदार थियरी बेनेडिक्ट ऐंडरसन द्वारा प्रतिपादित कल्पित समुदाय (इमैजिन्ड कम्युनिटीज) की मानी जाती है। ऐंडरसन का मुख्य सरोकार यह है कि एक-दूसरे से कभी न मिलने वाले और एक-दूसरे से पूरी तरह अपरिचित लोग राष्ट्रीय एकता में किस तरह बँधे रहते हैं।इस तरह राष्ट्रवाद आधुनिकीकरण के धर्म के तौर पर उभरता है। आधुनिकता के कारण सामाजिक जीवन में आयी जबरदस्त आर्थिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच राष्ट्रवाद के जरिये ही व्यक्ति एक अस्मिता और संसक्ति के सूत्र हासिल कर पाया। दूसरी तरफ यह भी एक हकीकत है कि राष्ट्रवाद कई बार आधुनिकीकरण को रोकने या सीमित करने वाली ताकत भी साबित हुआ है। राष्ट्रवादी दलीलों के आधार पर ही ऐसे कई व्यापार समझौतों का विरोध किया जाता है जिनसे राष्ट्रीय उद्योगीकरण और आर्थिक समृद्धि की प्रक्रिया को गति मिल सकती है। राष्ट्रवाद के धार्मिक संस्करण (जैसे, ईरान का इस्लामिक राष्ट्रवाद या भारतीय राजनीति के धार्मिक पहलू) सेकुलरीकरण की प्रक्रिया को अगर पूरी तरह ठप नहीं कर पाते तो धीमा अवश्य कर देते हैं। दूसरे, तीसरी दुनिया के अधिकतर देशों में राष्ट्रवाद करीब आधी सदी बीत जाने के बाद भी उद्योगीकरण और खेतिहर अर्थव्यवस्था की जद्दोजहद में फँसा हुआ है।एक राजनीतिक शक्ति के रूप में राष्ट्रवाद आज भी निर्णायक बना हुआ है। पूर्व में सांस्कृतिक पुनरुत्थानवादी आंदोलन, दुनिया भर में नस्ल और आप्रवासन बहस, और पश्चिम में बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) विवाद इसके प्रमाण हैं। फिलिस्तीनियों द्वारा राष्ट्रीय आत्मनिर्णय का आंदोलन आज भी जारी है। पूर्वी तैमूर हाल ही में इंडोनेशिया से स्वतंत्र हुआ है और एक अलग राष्ट्र बन गया है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने राष्ट्रवाद के बोलबाला को कुछ हद तक संदिग्ध बना दिया है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि उदार और लोकतांत्रिक राज्य के साथ जुड़कर गरीबी और पिछड़ेपन से पीड़ित समाजों को आगे बढ़ाने में राष्ट्रवाद की ऐतिहासिक भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उत्तर-औपनिवेशिक समाजों ने अपने विकासात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रवाद का सहारा लिया है। राष्ट्रवाद एक प्रमुख कारक रहा है, विशेष रूप से भारत जैसे बहुल समाजों को एक राजनीतिक समुदाय के रूप में विकसित करने में।

आलोक प्रताप सिंह
विकास अधिकारी
आईसीडीपी अंबेडकरनगर

दि कश्मीर फाइल्स - हिन्दू महिलाओं के मन के घाव ! इस विषय पर ऑनलाइन विशेष संवाद !

कश्मीरी मुसलमानों ने जिहादी आतंकवादियों को सहायता की, इसीलिए हिंदुओं का नरसंहार करना सरल हुआ ! - डॉ. क्षमा कौल, साहित्यकार, जम्मू

कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार का सत्य अंत में समाज को स्वीकार करना ही पडा । 'दि कश्मीर फाइल्स' फिल्म के कारण यह संभव हुआ । वर्ष 1990 की भयानक कालरात्रि के पश्चात तत्कालीन सरकार कश्मीरी हिन्दुओं के लिए कुछ करेगी, ऐसा लग रहा था; परंतु वैसा नहीं हुआ और कश्मीरी हिन्दुओं सहित महिलाओं पर अत्याचार होते ही रहे । कश्मीर के मुसलमान पुरुषों सहित मुसलमान महिलाओं ने भी जिहादी आतंकवादियों को सहायता की, इसीलिए जिहादी सहजता से कश्मीरी हिन्दुओं का नरसंहार कर पाए, ऐसी धक्कादायक वास्तविकता जम्मू की साहित्यकार डॉ. क्षमा कौल ने प्रस्तुत की । वे हिन्दू जनजागृति समिति आयोजित 'दि कश्मीर फाइल्स'- हिन्दू महिलाओं के मन के घाव !' इस ऑनलाइन विशेष संवाद में बोल रही थीं ।

इस समय 'दि न्यू इंडियन' की संस्थापक-संपादक आरती टिक्कू ने कहा कि, 1990 के दशक में कश्मीरी हिन्दुओं का सामूहिक हत्याकांड किया गया, यह वास्तविकता एक बार पुनः सामने आई है । कश्मीरी हिन्दुओं के नरसंहार का सत्य किसने छिपाया और उसे आगे नहीं आने दिया, इसकी खोज करने की आवश्यकता है । इसके लिए सर्वदलीय राज्यकर्ता उत्तरदायी हैं । वर्ष 1990 में कश्मीरी हिन्दू महिलाओं पर बलात्कार हुए । उनकी हत्या की गई । हिन्दू स्वयं का परिचय भुला दें, ऐसा आतंक निर्माण किया गया । इस्लामी आतंकवाद के कारण जिनको लाभ हो रहा था, उनकी इच्छा थी कि इस्लामी आतंकवाद और कश्मीरी हिन्दुओं के हत्याकांड की वास्तविकता सामने न आए और सामूहिक आतंकवाद का कारखाना ऐसा ही चलता रहे । 'पनून कश्मीर' की प्रा. शैलजा भारद्वाज ने कहा कि, कश्मीरी मुसलमान समाज ने कट्टर आतंकवादियों को आमंत्रित किया और उनकी सहायता की । इसलिए वर्ष 1990 में कश्मीरी हिन्दुओं का नरसंहार किया गया । इसी समय 'आजाद कश्मीर' के नाम पर लगाए गए नारों में आतंकवादी, 'जे.के.एल.एफ.' जैसे उग्रवादी संगठन के साथ मुसलमान नागरिक भी सम्मिलित हुए थे । भारत की सेना ने उस समय हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो कश्मीर भारत से अलग हो गया होता । अभी भी भारत की सेना के कारण ही कश्मीर पर भारत का नियंत्रण है ।

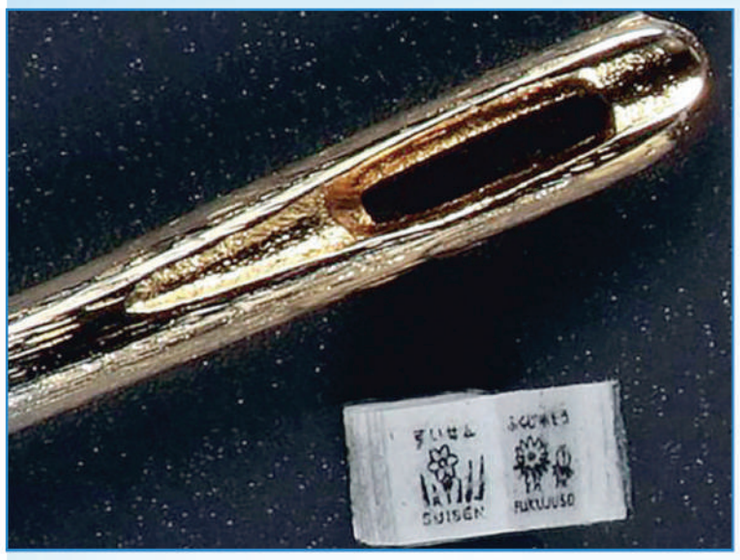

सुई के छेद जितनी छोटी पुस्तक-फ्लावर्स ऑफ द फोर सीजंस

बच्चों, पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इन्हें पढ़ने से हमारा ज्ञान बढ़ता है। दुनिया में अनगिनत पुस्तकें छोटे-बड़े आकार में छपी हैं। दुनिया में बहुत ही छोटे-छोटे आकार की पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। इन्हें देखकर मुख से यही निकलता है-अरे! इतनी छोटी पुस्तकें। जानो, ऐसी ही कुछ छोटे आकार वाली पुस्तकों के बारे में।

अरे ! इतनी छोटी पुस्तकें

रोचक

बच्चों, तुम्हारे पास छोटे-बड़े आकार की कई पुस्तकें होंगी। लेकिन तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में कुछ पुस्तकें इतने छोटे आकार की हैं कि हथेली में समा सकती हैं। वहीं, एक पुस्तक ऐसी है, जिसे पढ़ने के लिए माइक्रोस्कोप की जरूरत होती है। जानो, ऐसी ही कुछ छोटे आकार वाली पुस्तकों के बारे में।

सुई के छेद बराबर छोटी पुस्तक

बच्चों, तुम अपनी पुस्तक बैग के अंदर रखते होगे। तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में ऐसी पुस्तकें भी हैं, जो इंसान की मुट्ठी में समा सकती हैं। दुनिया की सबसे छोटी पुस्तक का नाम है फ्लावर्स ऑफ द फोर सीजंस। पुस्तक की माप 0.74 गुणा 0.75 मिमी. या 0.0291 गुणा 0.0295 इंच है। यह पुस्तक इतनी छोटी है, जैसे एक सुई का छेद। इस पुस्तक को तुम चित्र में देख सकते हो। इसकी 250 प्रतियां अप्रैल से लेकर दिसंबर 2012 तक जापान के टोक्यो शहर में टोपपैन प्रिंटिंग कॉ. लिमिटेड प्रिंटिंग म्यूजियम द्वारा छापी गईं। अब तक प्रकाशित हुई पुस्तकों में यह सबसे छोटी पुस्तक है।

सबसे छोटी कॉमिक बुक

बच्चों को कॉमिक बुक्स बहुत पसंद होती हैं। दुनिया में बहुत छोटे आकार की भी एक कॉमिक बुक प्रकाशित हुई है। यह कॉमिक बुक, कॉमिक की दुनिया में एजेंट 327 का एक विशेष अंक 'डोजियर मिनिमम बग' शीर्षक से प्रकाशित की गई है। कॉमिक पुस्तक का माप 2.58 सेंटीमीटर गुणा 3.7 सेंटीमीटर है। यह कॉमिक, मार्टिन लॉडविज्क (नीदरलैंड) द्वारा लिखी गई है, जो जून 1999 में प्रकाशित हुई थी। 16 पेजों की इस कलरफुल कॉमिक पुस्तक की कुल 2,000 प्रतियां बिकीं। बच्चों, तुम सोच रहे होगे कि इतनी छोटी कॉमिक को कोई कैसे पढ़ता होगा? दरअसल, इस कॉमिक बुक को पढ़ने के लिए इसके साथ में एक मैग्निफाइंग ग्लास भी दिया जाता था।

सबसे छोटी सिलिकॉन पुस्तक

बच्चों, तुमने अभी तक कागज पर प्रकाशित सबसे छोटी पुस्तकों के बारे में जाना। लेकिन दुनिया में एक शुद्ध क्रिस्टलीय सिलिकॉन सतह पर उकेरी गई 30 माइक्रो-टैबलेट पुस्तक भी है, जिसकी माप केवल 70 माइक्रोमीटर गुणा 100 माइक्रोमीटर है। कनाडा के साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय में आयन बीम का उपयोग करके इस पुस्तक के अक्षर लिखे गए हैं। पुस्तक का नाम 'टीनी टेड फ्रॉम टर्निप टाउन' है। पुस्तक के राइटर मैल्कम डगलस चैपलिन हैं, इसे रॉबर्ट चैपलिन ने पब्लिश किया है। यह पुस्तक इतनी छोटी है कि इसे पढ़ने के लिए एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एक प्रकार का माइक्रोस्कोप) की जरूरत होती है।

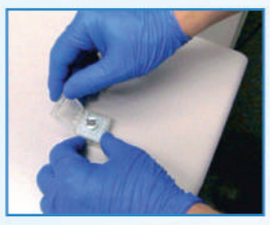

मिनिएचर पुस्तक का सबसे बड़ा संग्रह

बच्चों, मिनिएचर पुस्तक एक बहुत ही छोटी पुस्तक होती है, जिसकी ऊंचाई, चौड़ाई या मोटाई 7.5 सेमी (3 इंच) से अधिक नहीं होती है। दुनिया में मिनिएचर पुस्तकों का सबसे बड़ा संग्रह भी है। यह अनोखा मिनिएचर संग्रह केरल के रहने वाले सथर अधूर तैयार किया है। उनके इस संग्रहालय में कुल 3,137 पुस्तकें हैं। इन पुस्तकों के लेखक भी वह खुद ही हैं। उनके मिनिएचर संग्रह में 2,710 कहानियों की और 427 कविताओं की पुस्तकें हैं। सथर अधूर के नाम सबसे बड़े मिनिएचर पुस्तक के संग्रह का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। *

मिनिएचर पुस्तकों के संग्रह के साथ सथर अधूर

सबसे बड़ी पुस्तक

जहां दुनिया की सबसे छोटी पुस्तक हथेली में समा सकती है या जिसे देखने के लिए माइक्रोस्कोप की जरूरत होती है। वहीं, दुनिया की सबसे बड़ी पुस्तक के सामने इंसान बौना नजर आता है। कागज से बनी दुनिया की सबसे बड़ी पुस्तक का माप 5 गुणा 8.06 मीटर (16.40 गुणा 26.44 फीट) है। इसका वजन लगभग 1,500 किलोग्राम है। पुस्तक में कुल 429 पेज हैं। 27 फरवरी 2012 को संयुक्त अरब अमीरात देश के दुबई शहर में मशहेद इंटरनेशनल ग्रुप द्वारा पुस्तक का अनावरण किया गया। पुस्तक के निर्माण में 50 से अधिक लोगों ने काम किया। पुस्तक को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा सबसे बड़ी पुस्तक का सर्टिफिकेट भी मिला है। *

मूल्यवान क्यों होता है हीरा

बच्चों, हीरा या डायमंड एक तरह का पत्थर है, जो दुनिया में सबसे मूल्यवान माना जाता है। इसके कई कारण हैं, सबसे पहला कारण है, हीरा एक सुंदर रत्न होता है, अपनी सुंदरता के कारण लोग इसे पसंद करते हैं, इस कारण इसकी कीमत बढ़ जाती है। वहीं, इंसान की जानकारी में हीरा सबसे सख्त पदार्थ है। इसका यह कठोरपन बहुत उपयोगी होता है। इस वजह से भी हीरा कीमती होता है।

बच्चों, सब हीरे एक जैसे कीमती नहीं होते। एक हीरे की तुलना में दूसरा हीरा अधिक कीमती होता है? दरअसल, हीरे से जेवरात बनाए जाते हैं, उनमें रंग और गुणवत्ता के हिसाब से काफी अंतर होता है। इसलिए कुछ हीरे अधिक कीमती हो जाते हैं। हीरे इंद्रधनुष के सभी रंगों में उपलब्ध होते हैं। कुछ रंगों के हीरे दुर्लभ होते हैं। लाल, नीले रंग के अलावा क्लियर यानी रंगहीन हीरे भी सबसे कीमती होते हैं। इसके अलावा हीरे की शुद्धता उसे कीमती बनाती है। इसमें बाल बराबर त्रुटि से इसकी कीमत बहुत कम हो जाती है।

जानकारी

नयनतारा

बच्चों, अब तुम्हारे मन में सवाल आ रहा होगा कि विश्व में सबसे कीमती हीरा कौन-सा है? बता दें कि कुछ हीरे इतने कीमती रहे हैं कि उनकी इतिहास में चर्चा रही है। इनमें से सबसे मशहूर हीरा है कोहिनूर, जिसका इतिहास किसी भी अन्य हीरे की तुलना में सबसे लंबा और चर्चित रहा है। इस हीरे को पाने की इच्छा एशिया के शासकों में बहुत अधिक रही। सन् 1400 से 1828 तक भारत में हुए अधिकतर युद्ध इसी के कारण हुए। आज कोहिनूर हीरा यूके यानी ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताज में जड़ा है। *

कविता

मधुमक्खी

बाग-बाग मैं मंडराती हूं।
मधुमक्खी मैं कहलाती हूं।
रंग-बिरंगे फूल मुझे प्रिय
उनका रस मेरा आहार,
मैं नुकसान ना पहुंचाती हूं
मन से प्रकट करूं आभार,
फूल-फूल का रस लाती हूं।
रस को रखती हूं छत्तों में
जिसको नन्हे-मुन्ने पीते,
शहद तो मुझको भी भाता है
छत्तों में हर मौसम बीते,
श्रम से शहद बना पाती हूं।
शहद बड़ा पौष्टिक गुणकारी
इसका मीठा-मीठा स्वाद,
मधुमक्खी पालन का धंधा
जो करता, होता आबाद,
मंत्र धनार्जन बतलाती हूं,
मधुमक्खी मैं कहलाती हूं।

रंग भरो 94

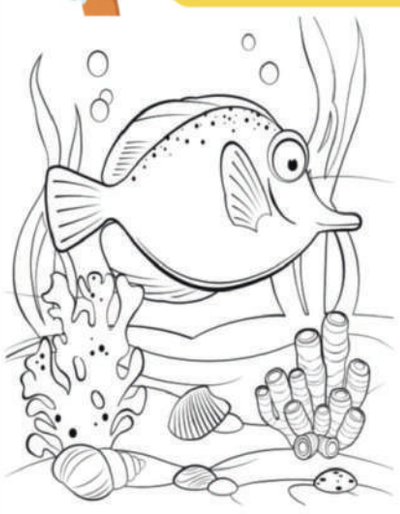

बच्चों, यहां पर एक प्यारा-सा चित्र दिया गया है, जिसमें समुद्र के गहरे जल में एक मछली तैरती हुई दिख रही है। इस चित्र को मनचाहे प्यारे रंगों से रंगकर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजें- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi@haribhoomi.com पर मेल करो।

अलग सदस्य को पहचानो

बच्चों, यहां पर चार समूह यानी ग्रुप दिए गए हैं। हर ग्रुप में एक सदस्य ऐसा है, जो उस ग्रुप से संबंध नहीं रखता है। तुम्हें हर ग्रुप में से उस सदस्य को पहचान कर उस पर पेन या पेंसिल की मदद से गोला बनाना है।

कहानी

जंगल में वार्षिक प्रतियोगिता में कछुए और खरगोश की रेस होती थी, इसमें हमेशा कछुआ जीतता था। इस बार जंगल के पशु-पक्षी कछुए और खरगोश की रेस कराने के पक्ष नहीं थे। वे कुछ अलग तरह की रेस करवाना चाहते थे। लेकिन कछुए और खरगोश की रेस हुई। क्या इस बार भी रेस में कछुआ जीता और खरगोश हार गया?

फिर हुई कछुए-खरगोश की रेस

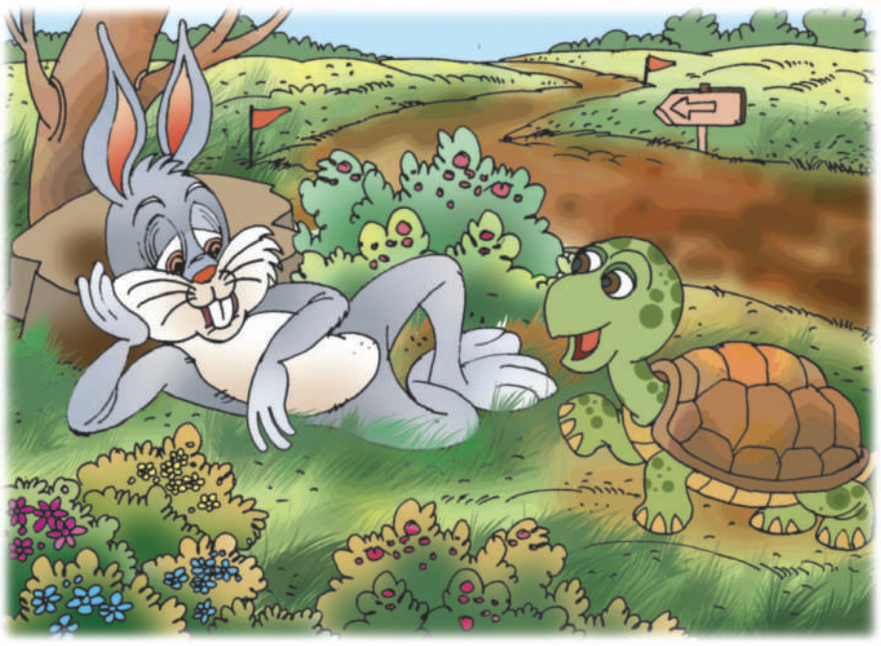

जंगल में बहुत गहमा-गहमी थी। सारे जानवर काफी उत्साहित थे। असल में हर साल जंगल में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाता था, जिसमें बहुत सारी प्रतियोगिताएं होती थीं। सबसे अच्छी बात तो यह थी कि पूरे साल जिन पशुओं के बीच मनमुटाव रहता था, इस दिन जंगल के मुखिया शेर दादा उनमें यह कहकर सुलह करवा देते कि यह जंगल के लिए बहुत बड़ा दिन है, जब मिल-जुलकर रहो।

'इस बार कुछ नई तरह की प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। कब तक हम पुराने तरह से प्रतियोगिताएं करते रहेंगे?' हैप्पी बंदर उछलता हुआ बोला।

'क्या नया किया जाए?' फैटी हाथी सूंड़ हिलाता हुआ बोला।

'रेस तो रखेंगे ही, बहुत मजा आता है उसमें।' सनी हिरन बोला।

'तुम जीतते जो हो हर बार। मजा तो आएगा ही।' फैटी हाथी मुंह बनाकर बोला। दरअसल, वह अपने भारी शरीर के कारण कभी जीत नहीं पाता था।

'टीनू कछुए और रैबी खरगोश की रेस भी तो होगी ही, बरसों से होती आ रही है।' पेड़ पर बैठा कांव-कांव कौवा बोला।

'उसमें कोई मजा नहीं, परिणाम तो सबको पहले से ही पता होता है। जीत तो टीनू कछुए की ही होती है, रैबी खरगोश रास्ते में सो जो जाता है।' हैप्पी बंदर खी-खी करके हंसा।

'फिर इस बार खरगोश की रेस कछुए के बजाय हिरन के साथ क्यों ना रखें। अपने जैसे फुर्तीले साथी से हारें तो तकलीफ कम होगी कछुए से हारना...' लंबू जिराफ ने बात पूरे किए बिना अपना सुझाव दिया।

सबको उसका सुझाव पसंद आया।

शेर दादा बोले, 'मानता हूं परिवर्तन होना चाहिए और आप सब कुछ अलग हटकर भी करना चाहते हैं, क्योंकि उन दोनों के बीच यह रेस वर्षों से चली आ रही है। यह रेस एक तरह से हर देखने-सुनने वाले के लिए एक संदेश देती है तो इसमें उन दोनों की सहमति होना भी जरूरी है।'

रैबी खरगोश को पता था कि जब वह अपनी सो जाने की आदत, लापरवाही और जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास की वजह से सुस्त चाल से चलने वाले कछुए से हार गया तो सनी हिरन के साथ रेस लगाने पर तो अवश्य ही हार जाएगा। हिरण के कुलांचों के सामने वह कहां टिक पाएगा। वह अड़ गया, 'मैं तो टीनू कछुए के साथ ही रेस लगाऊंगा, नहीं तो प्रतियोगिता में हिस्सा ही नहीं लूंगा। ध्यान रखूंगा कि इस बार सोऊंगा नहीं।'

टीनू कछुआ बोला, 'जीत-हार तो चलती रहती है। रेस तो खरगोश भाई के साथ ही होगी मेरी।'

तय हुआ कि सुबह खरगोश, कछुए के बीच ही रेस होगी। दूसरे दिन रेस शुरू हुई। खरगोश छलांगें मारता हुआ दौड़ा। खरगोश-कछुए को जंगल के तालाब तक पहुंचना था। लंबी-लंबी घास और पथरीले रास्ते को पार कर तीन किलोमीटर की दूरी को तय करना था। रैबी खरगोश ने ठान लिया था कि इस बार वह पुरानी चली आ रही परंपरा को बदल देगा। वह सोएगा नहीं। उसने पीछे मुड़कर देखा तो कछुआ उसे दूर-दूर तक नजर नहीं आया। नरम घास खाते-खाते उसे झपकी आ गई और वह सो गया।

टीनू कछुआ वहां पहुंचा तो रैबी खरगोश को देख रुक गया और बोला, 'फिर सो गया।' टीनू कछुआ मन ही मन सोचने लगा, 'मैं इसे छोड़ आगे निकल गया तो बदलाव कैसे होगा?'

'रैबी भाई, उठो।' रैबी खरगोश को टीनू कछुए ने जगाया। कछुए को देख रैबी खरगोश चौंका, बोला, 'तो क्या इस बार भी टीनू कछुआ जीत गया।' रैबी खरगोश को लगा कि वह तालाब पर उससे पहले पहुंच गया और वह सोता रह गया।

'तुमने मुझे फिर हरा दिया? घास इतनी स्वादिष्ट थी कि मैंने बहुत ज्यादा खा ली और फिर गहरी नींद आ गई। भाई, तुम फिर जीत गए।' रैबी खरगोश मायूस होकर बोला। 'अरे जागो रैबी भाई। अभी हम तालाब तक नहीं पहुंचे हैं। तुम्हें सोता देख मैं ठहर गया। बहुत हुआ तुम्हें सोता छोड़ आगे बढ़ना। इस बार हम दोनों साथ-साथ तालाब तक जाएंगे। मुझे नहीं हराना तुमको। आओ बदल दें और कुछ नया करें। साथ-साथ चलेंगे। थोड़ा तुम धीरे चलना, थोड़ा मैं तेज चलने की कोशिश करूंगा। इस बार हम दोनों एक साथ तय जगह पर पहुंचेंगे। मन में क्यों किसी तरह की कड़वाहट रखी जाए।'

रैबी खरगोश ने टीनू कछुए को देखा। बेशक वह हारा नहीं था, फिर भी जीत तो टीनू की ही थी। लेकिन वह खुश था। कुछ नया जो हो रहा था। फिर दोनों ने एक साथ चलकर रेस पूरी की। जंगल के सभी पशु-पक्षी भी रेस को देखकर बहुत खुश थे। *

महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स नहीं, नीम के पत्ते करेंगे आपकी स्किन की केयर

स्किन की केयर करने के लिए अगर आप महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करके थक चुकी हैं, तो अब कुछ प्राचीन लेकिन असरकारी तरीकों को आजमाएं। आपके आसपास ऐसे कई प्लांट्स आसानी से अवेलेबल होते हैं, जो स्किन की कई समस्याओं को चुटकियों में हल कर देते हैं। इन्हीं में से एक है नीम। इसमें एंटीसेप्टिक, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-एजिंग गुण होते हैं। आमतौर पर, लोग अपनी बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने के लिए नीम का जूस पीते हैं, लेकिन यह स्किन की समस्याओं से भी उतना ही बेहतरीन तरीके से निपटता है। बस आप इससे घर पर फेस मास्क बनाएं और उसे अपनी स्किन पर लगाएं- अगर आपकी स्किन ऑयली है तो आप एक्ने व अन्य स्किन प्रॉब्लम्स को दूर करने के लिए नीम का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऑयली स्किन के लिए नीम व नींबू की मदद से फेस पैक बनाया जा सकता है। इसके लिए आप सबसे पहले एक बाउल दो चम्मच नीम का पाउडर लें। अब इसमें थोड़ा गुलाब जल व आधे नींबू का रस डालकर व मिक्स करके एक पेस्ट तैयार करें। अब इसे अपनी क्लीन स्किन पर अप्लाई करें और 10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में पानी की मदद से अपनी स्किन को साफ करें और फिर मॉइश्चराइजर लगाएं। रूखी स्किन पर भी नीम का इस्तेमाल करने से लाभ होता है। आप इसे हल्दी व अन्य मॉइश्चराइजिंग इंग्रीडिएंट्स को मिक्स करके एक फेस पैक बना सकते हैं। इसके लिए नीम के पत्तों के पाउडर में थोड़ी सी हल्दी मिक्स करें। अब इसमें नारियल तेल व थोड़ा सा गुलाब जल डालकर मिक्स करें। अब आप अपनी स्किन को क्लीन करके इस पेस्ट को अपनी स्किन पर अप्लाई करें। करीबन 10-15 मिनट के बाद फेस को वॉश करें। अंत में, स्किन को मॉइश्चराइज करें। एजिंग स्किन की महिलाएं अपनी स्किन को पोषित करने और उसे अधिक यंगर बनाने के लिए नीम का फेस पैक बना सकती हैं। आप इसे ओटमील के साथ मिक्स करके यूज कर सकते हैं। इसके लिए आप एक बाउल में आधा कप ओटमील, एक चम्मच दूध, एक चम्मच शहद व दो चम्मच नीम के पत्तों का पेस्ट बनाकर मिश्रण तैयार करें। अब आप इसे अपनी क्लीन स्किन पर लगाएं। अब इसे स्किन पर लगाएं और सूखने तक ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, अपनी स्किन को हल्का स्क्रब करते हुए अपनी स्किन को धोकर क्लीन करें। अब अपनी स्किन को मॉइश्चराइज करें।

सही मिलान करो

बच्चों, नीचे दिए गए चित्र में एक तरफ चार अलग-अलग पेशे वाले लोगों की तस्वीरें हैं और दूसरी तरफ उनके पेशे से जुड़ी चीजों की तस्वीरें हैं। तुम्हें चारों पेशे वाले लोगों और उनके पेशे से जुड़ी चीजों की तस्वीरों का सही मिलान करना है।

उत्तर: 1-c, 2-d, 3-a, 4-b

जीके क्विज

1. हाल में पंजाब के नए मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
2. हाल में किसने मणिपुर के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है?
3. विश्व स्वास्थ्य दिवस कब मनाया जाता है?
4. भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला कौन-सी है?
5. भारत में कौन-सा राज्य सबसे अधिक राज्यों की सीमाओं को स्पर्श करता है?
6. कबड्डी खेल में खिलाड़ियों की संख्या कितनी होती है?
7. चूने में पानी मिलाने पर कौन-सी गैस निकलती है?
8. भारत का राष्ट्रीय पेड़ कौन-सा है?
9. हमारे शरीर में कितनी हड्डियां होती हैं?
10. महाराणा प्रताप 'बुलबुल' किसे कहते थे?

उत्तर: 1- भगवंत मान, 2- एन. बीरेन सिंह, 3- 7 अप्रैल, 4- अरावली पर्वत, 5- उत्तर प्रदेश, 6- नौ, 7- कार्बन डाइऑक्साइड, 8- बरगद, 9- 206, 10- अपना बैंड का

'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बना चुका होता : शेखर

दुबई (भाषा)। फिल्मकार शेखर कपूर का कहना है कि अगर उनके पास 1987 की हिट फिल्म 'मिस्टर इंडिया' के अधिकार होते तो वह अब तक इसका सीक्वल बना चुके होते, जो मूल फिल्म से ही संबंधित होती, भले ही उसकी कहानी अलग होती। अनिल कपूर, श्रीदेवी और अमरीश पुरी अभिनीत, 'मिस्टर इंडिया' विज्ञान से संबंधित एक काल्पनिक एक्शन फिल्म थी। इसका निर्माण बोनी कपूर और सुरिंदर कपूर ने किया था, जबकि

इसके निर्देशक शेखर कपूर थे। दरअसल, 2011 में फिल्म के सीक्वल 'मिस्टर इंडिया 2' के निर्माण की घोषणा की गई थी। लेकिन, उसके बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में चला गया। प्रोडक्शन हाउस जी स्टूडियोज ने 2020 में घोषणा की थी कि अली अब्बास जफर के निर्देशन में 'मिस्टर इंडिया' श्रृखला की तीन फिल्मों का निर्माण किया जाएगा।

अभिषेक मेरा सच्चा 'उत्तराधिकारी' : अमिताभ

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने पुत्र अभिषेक बच्चन को अपना सच्चा 'उत्तराधिकारी' बताया है। अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवीं का ट्रेलर देखने के बाद अमिताभ बच्चन इमोशनल हो गए हैं। अमिताभ ने अपने ब्लाग में अभिषेक को अपना सबसे सच्चा उत्तराधिकारी बताया है। अमिताभ ने अपने ब्लाग में लिखा, एक पिता के लिए सबसे बड़ी खुशी अपने बच्चों की उपलब्धियों को देखना है, उनके नाम की प्रसिद्धि का स्वाद लेना। अभिषेक के पिता के रूप मे पहचाना जाना और अभिषेक ने इसे मेरे लिए सारांशित किया। मैं बहुत गर्व के साथ कहता हूं कि अभिषेक मेरे 'उत्तराधिकारी' हैं उनके निरंतर प्रयास, अलग-अलग भूमिकाओं को करने और कठिन भूमिकाएं निभाने की हिम्मत, केवल एक चुनौती नहीं है, बल्कि एक आईना है। सिनेमा की दुनिया, एक अभिनेता के रूप में उनकी क्षमता और उनके लिए उनकी विश्वसनीयता और दृढ़ता को आत्मसात करने के लिए।

कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती होने की दर में भारी गिरावट

लास एंजेलिस (आईएएनएस)। मेयो क्लिनिक के एक नए अध्ययन में कहा गया है कि कोविड-19 संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होना अब असामान्य है, जहां टीकाकरण के बाद एक हजार में से एक मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, क्लिनिकल इंफेक्शियस डिजीज में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि टीकाकरण वाले मरीजों के लिए अस्पताल में भर्ती होने की दर 0.06 प्रतिशत या 10,000 रोगियों में से छह थी और और जिन्होंने वैक्सीन प्राप्त की है, उनमें 10,000 में से एक है। मेयो क्लिनिक में सेंटर फार द साइंस आफ हेल्थ केयर डिलीवरी के एक शोधकर्ता लीड लेखक बेंजामिन पोलक ने कहा, जिन व्यक्तियों को टीका लगाया गया है, उन्हें बाद में अस्पताल में भर्ती होने का जोखिम बहुत कम है। हमारे अध्ययन से पता चलता है कि जो व्यक्ति टीका लगवाए हैं, उन्हें भी कोविड हो सकता है, लेकिन ये घटनाएं बेहद असामान्य हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, शोधकर्ताओं ने रोचेस्टर में मेयो क्लिनिक में 1,06,349 रोगियों पर अध्ययन किया, जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक थी और वे कोविड-19 से संक्रमित मिले थे और उन्हें कोविड टीका लगाया गया था। अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि उन रोगियों में से केवल 69 को ही कोविड-19 संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

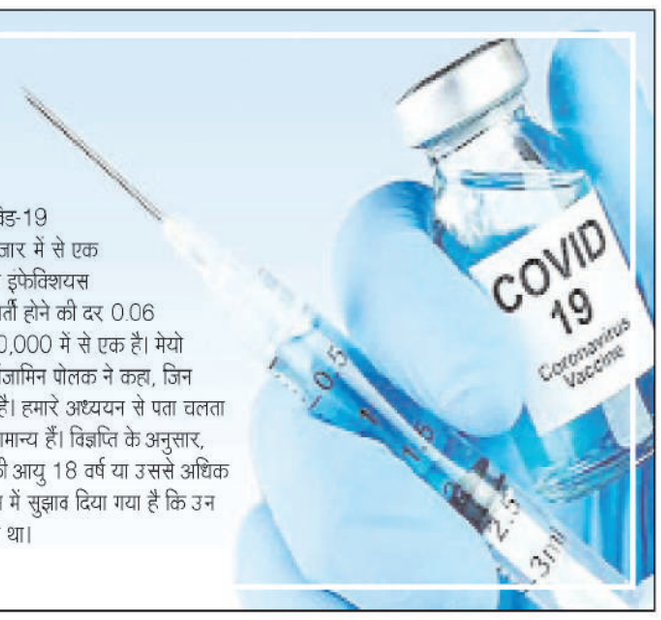

कामेडी फिल्मों के प्रस्ताव नहीं मिलते : शेफाली

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री शेफाली शाह का कहना है कि फिल्म उद्योग के अधिकतर लोग उन्हें एक 'गंभीर कलाकार' के रूप में देखते हैं जिसकी वजह से उन्हें कामेडी फिल्मों में काम करने के प्रस्ताव नहीं मिलते हैं। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' और हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'जलसा' में शानदार अभिनय करने वाली शेफाली का कहना है कि वह कामेडी फिल्मों में भी काम करना चाहती हैं। शेफाली अपनी दो आगामी फीचर फिल्मों 'डाक्टर जी' और 'डार्लिंग्स' की रिलीज की प्रतीक्षा कर रही हैं, जिनमें हास्य का भी पुट है। शेफाली ने कहा कि जब उन्हें 'डाक्टर जी' और 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों का प्रस्ताव मिला था, तो उन्होंने तुरंत ही इनकी 'मजेदार और प्रफुल्लित करने वाली' पटकथाओं को सुनकर हां कह दी थी। 'डाक्टर जी' कालेज कैंपस के जीवन पर आधारित एक कामेडी-ड्रामा फिल्म है जिसमें आयुष्मान खुराना और रकुलप्रीत सिंह अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसका निर्देशन अनुभूति कश्यप ने किया है। जबकि 'डार्लिंग्स' मां-बेटी के जीवन पर आधारित फिल्म है, जिसमें शेफाली शाह और आलिया भट्ट ने अहम भूमिका निभाई है। शेफाली शाह ने कहा, 'डाक्टर जी' में काम करने को लेकर मैं बहुत पहले से ही प्रतिबद्ध थी। इस फिल्म में मैं एक प्रमुख भूमिका नहीं निभा रही हूं, मैं एक तरह से अतिथि कलाकार की भूमिका निभा रही हूं। मैंने कभी कामेडी फिल्मों में काम नहीं किया था। यह एक मजेदार और संवेदनशील कहानी है इसलिए मैं इसे करना चाहती थी। उन्होंने कहा और 'डार्लिंग्स' की पटकथा बहुत दमदार है। यह हास्य फिल्म है और मुझे इसकी पटकथा बहुत अच्छी लगी। अक्सर लोग मेरे बारे में सोचते हैं कि मैं एक गंभीर कलाकार हूं और गंभीर भूमिकाएं ही करूंगी। लेकिन ऐसा नहीं है।

'द फैमिली मैन' का इंतजार है : मनोज

नई दिल्ली (भाषा)। अभिनेता मनोज बाजपेयी का कहना है कि दर्शकों की तरह 'द फैमिली मैन' की टीम भी अमेजन प्राइम वीडियो की ओर से वेब सीरीज के बहुप्रतीक्षित तीसरे सीजन के प्रीमियर की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रही है। लोकप्रिय वेब सीरीज में अहम किरदार निभाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने यहां एफडीसीआई एक्स लैक्मे फैशन वीक से इतर कहा, अमेजन की ओर से 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर संशय की स्थिति के कारण वेब सीरीज की टीम का मनोबल टूट रहा है क्योंकि फिलहाल हमारे पास इसका कोई जवाब नहीं है। 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन का प्रीमियर पिछले साल जून में हुआ था, जिसे लोगों ने बेहद पसंद किया था। वर्ष 2019 में रिलीज हुए पहले सीजन को भी दर्शकों ने खूब सराहा था। मनोज बाजपेयी इस समय बेहद व्यस्त हैं और वह कई फिल्मों में काम कर रहे हैं।

संभलकर लें बसंत का मजा

पोलन एलर्जी के मरीज

नई दिल्ली। एसएनबी

बसंत के मौसम में चारों तरफ हरियाली और तरफ तरह के फूल खिले नजर आते हैं और हवाओं में भी भीनी भीनी सी सुगंध आती है। इस मौसम में सारा वातावरण खुशनुमा हो जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह समय मौसमी एलर्जी होने का भी होता है। कई लोग इस मौसम में पोलन एलर्जी से परेशान रहते हैं, जो फूलों के पराग कणों के हवा में फैलने के कारण होती है।

परागकण या पोलन एलर्जी एक सबसे आम मौसमी एलर्जी है। इसे 'हे फीवर' के रूप में भी जाना जाता है। विशेषज्ञ आमतौर पर पराग एलर्जी को 'मौसमी एलर्जिक राइनाइटिस' कहते हैं। एलर्जी होने पर गले की खराश, आंखों में जलन या नाक बंद होने जैसी समस्याएं होती हैं। इस मौसम में यह एलर्जी आम है और सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया के लगभग हर देश में इसके पीड़ित लोग मौजूद हैं। अगर आप भी पोलन से होने वाली एलर्जी से पीड़ित हैं तो सावधानी बरतें।

एलर्जी के मुख्य कारक

एलर्जिक प्रतिक्रियाएं ज्यादातर पराग, पेड़ों, खरपतवारों और घास से आते हैं। पालतू जानवरों की पेशाब, लार या रूसी में ऐसे कुछ प्रोटीन पाए जाते हैं जिनसे एलर्जी हो सकती है। इसके अलावा पोलन एलर्जी मौसमी बदलावों के कारण भी हो सकती है, जैसे से की इस मौसम में, क्योंकि फूलों में पराग की संख्या इस वक्त ज्यादा पाई जाती है।

डाक्टर की सलाह

एनडीएमसी के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अनिल बंसल ने बताया कि जिन लोगों को हर साल पोलन एलर्जी परेशान करती है उन्हें विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। अगर आपको ज्यादा समस्या हो रही है, तो आप डाक्टर के संपर्क कर उचित इलाज कराएं। इस एलर्जी का मुख्य कारण पेड़, खरपतवार और घास से निकलने वाले पराग हैं। हालांकि, ऐसा माना जाता है कि एक बार अगर किसी को पोलन एलर्जी हो जाए तो इसके ठीक होने की संभावना बहुत ही कम होती है, लेकिन दवाओं की मदद से इसके लक्षणों का इलाज करना संभव है।

क्या होता है पोलन

पोलन (परागकण) दरअसल एक बहुत ही महीन पाउडर होता है जो पेड़ों, फूलों, घासो द्वारा उन्हीं प्रजाति के अन्य पौधों को निषेचित करने के लिए तैयार होता। अमेरिका के अस्थमा और एलर्जी फाउंडेशन के अनुसार, घास सबसे आम पोलन एलर्जी है।

क्यों होती है एलर्जी

पराग में सांस लेने पर बहुत से लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया करती है। प्रतिरक्षा प्रणाली आम तौर पर हानिकारक आक्रमणकारियों से रक्षा करती है, जैसे कि वायरस और बैक्टीरिया से। जिसके बाद हमें यह कुछ आम लक्षण देखने को मिलते है, जिसमें शरीर में हल्की जलन होना, चकत्ते होना, छींक आना, आंखों से पानी आना, आंखों में जलन होना, नाक बंद होना, गले में खराश, साइनस, खांसी, सांस लेने में दिक्कत होना और दमा के मरीजों को दमा का अटैक आना आम लक्षण हैं।

- **भारत में लगभग 20-30% जनसंख्या परागजनित ज्वर यानी एलर्जिक राइनाइटिस/हे फीवर से पीड़ित है। करीब 15 फीसदी लोग दमा यानी अस्थमा का शिकार हैं।**
- **दुनिया में हर पांच में से एक व्यक्ति को पोलन एलर्जी होती है।**

क्या कहता है नया शोध

शोधकर्ताओं को एक नए अध्ययन में पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण एलर्जी का मौसम अधिक लंबा औ तीव्र हो सकता है। यह अध्ययन शोध पत्रिका नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुआ था। शोधकर्ताओं ने पाया कि 1995 से 2014 की समयावधि की तुलना में इस शताब्दी के अंत तक बसंतऋतु में पराग कण का उत्सर्जन 40 दिन पहले हो सकता है। इससे एलर्जी पीड़ित को पराग कणों के कारण होने वानी तकलीफ 19 और दिन झेलनी पड़ सकती है। इसके अलावा तापमान और कर्बन डाई आक्साइड का स्तर बढ़ने से पराग कणों के उत्सर्जन की मात्रा भी हर साल 200 फीसदी तक बढ़ सकती है।

पौधों पर हुए अध्ययन से पता चला है कि पिछले कुछ दशकों से एलर्जी का मौसम जल्दी आ रहा है और देर से जा रहा है। इसकी वजह से पराग के कणों की मात्रा तेजी से बढ़ेगी और ज्यादा देर तक लोगों को एलर्जी का सामना करना होगा।

बचाव के उपाय

- अगर आप को भी पोलन एलर्जी है तो आप इस मौसम में घर से कम से कम बाहर निकलें और बाहरी गतिविधियों को सीमित करें। अगर आप ज्यादा देर के लिए बाहर गए हैं तो घर लौटकर अपने कपड़े बदलें, नहाएं और शैंपू से बाल धोएं।
- अपने घरों की खिड़कियों को बंद रखें।
- अपनी इम्युनिटी को मजबूत बनाने के लिए अपनी डाइट में प्रोटीन और विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थों को शमिल करें जैसे- दाल, अंकुरित अनाज, सोयाबीन अंडा, चिकन और संतरा जैसे खट्टे फलों को प्रमुखता से सेवन करें।
- इस मौसम में बाहर निकलते समय आंखों पर काला चश्मा और सर पर टोपी जरूर पहनें।
- बाहर के जानवरों के संपर्क में ना आएं।
- अपने कपड़े बाहर सुखाने के बजाय ड्रायर से सुखाएं ।
- बाहर निकलते समय एन 95 मास्क पहनें।
- अस्थमा की समस्या है तो इस बदलते मौसम में वाक के लिए बाहर जाने से बचें।

'अटैक' का ट्रेलर एक्शन नया मानक स्थापित करता है

मुंबई (आईएएनएस)। जान अब्राहम अभिनीत सुपर सैनिक एक्शन फिल्म 'अटैक' का दूसरा ट्रेलर गुरुवार को जारी किया गया। फिल्म में जान एक सैनिक की भूमिका निभा रहे है, जो साइबरनेटिक संशोधनों के एक सफल सत्र के बाद अपने परिवेश के अनुकूल होने की कोशिश कर रहा है। फिल्म एक्शन और ड्रामा का मिश्रण प्रस्तुत करती है। कथा जान के चरित्र को मानवीय क्षमताओं के साथ पेश करती है, जो सामान्य मानवीय सीमाओं से परे काम कर सकते हैं। ट्रेलर लान्च इवेंट के दौरान जान ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर फिल्म अच्छी है, तो यह काम करेगी, मुझे लगता है कि केवल अच्छी फिल्में ही काम करती हैं और मैं आन रिकार्ड कहना चाहूंगा कि 'अटैक' एक अच्छी फिल्म है और यह बहुत अलग फिल्म है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ नया करने की कोशिश करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है क्योंकि जब आप कुछ अच्छा, अलग करते हैं तो दर्शक हमेशा सराहना करते हैं। मुझे लगता है कि 'अटैक' के बारे में यही खास है। लक्ष्य राज आनंद द्वारा निर्देशित फिल्म एक भविष्य की दुनिया को प्रस्तुत करती है।

'सोरारई पोटरु' में अक्षय के साथ काम करेंगी राधिका मदान

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री राधिका मदान सुपरहिट तमिल फिल्म 'सोरारई पोटरु' के हिंदी रीमेक में अक्षय कुमार के साथ काम करती नजर आ सकती हैं। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार सूर्या की फिल्म 'सोरारई पोटरु' का हिंदी रीमेक बनाया जा रहा है। इस फिल्म के हिंदी रीमेक में अक्षय कुमार लीड रोल में दिखाई देंगे। अब चर्चा है कि इस फिल्म में अक्षय कुमार के अपोजिट राधिका मदान काम करती नजर आ सकती हैं। फिल्म में राधिका दक्षिण भारतीय अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली के किरदार को निभाती नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। फिल्म के निर्देशक सुधा कोंगरा ने इसे वेस्टर्न इंडिया में सेट किया है। कहा जा रहा है कि राधिका इस फिल्म में महाराष्ट्र की एक महिला की भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म के शुरू होने से पहले राधिका को वहां की भाषा भी सीखनी होगी। 'सूररई पोटरु' एयर डेक्कन के फाउंडर जीआर गोपीनाथ के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने आम आदमी के लिए हवाई यात्रा को सिंपल और किफायती बनाया था।

भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति देता है अभिनय : रूमी खान

मुंबई (आईएएनएस)। 'इश्क का रंग सफेद', 'महाभारत' और 'शेर-ए-पंजाब: महाराजा रणजीत सिंह' जैसे टीवी शो में काम कर चुके अभिनेता रूमी खान का मानना है कि एक अभिनेता होने के नाते उन्होंने खुद को अभिव्यक्त करना सीख लिया है। वे कहते हैं कि अभिनय और नाटक भावनाओं की एक श्रृंखला को व्यक्त करने की अनुमति देता है और समान भावनाओं को समझने और उनसे निपटने के लिए प्रोत्साहित करता है जो वे अनुभव कर सकते हैं। आक्रामकता और तनाव एक सुरक्षित, नियंत्रित वातावरण में जारी किया जाता है। एक अभिनेता के रूप में, पात्रों, भूमिकाओं और नाटकों और संगीत के उप-पाठ को समझने से मुझे विभिन्न स्थितियों, पृष्ठभूमि और संस्कृतियों से बेहतर संबंध बनाने की अनुमति मिलती है।

जावेरी ने अनुभव साझा किया

मुंबई (आईएएनएस)। 'सत्यमेव जयते 2' के निर्देशक मिलाप जावेरी ने अपनी निर्देशित फिल्म के विश्व टेलीविजन प्रीमियर पर फिल्म को लेकर बात की है। वह सह-अभिनेताओं के साथ शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए विशेष रूप से जान अब्राहम की प्रशंसा करते हैं। 2018 'सत्यमेव जयते' के सीक्वल, जान अब्राहम-स्टारर 'सत्यमेव जयते 2' में दिव्या खोसला कुमार, नोरा फतेही, राजीव पिल्लई और अनूप सोनी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मिलाप जावेरी शूटिंग के अनुभव के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि यह एक बहुत ही रोमांचक लेकिन साहसी फिल्मांकन अनुभव था क्योंकि हमने फिल्म को कोविड के ठीक बीच में शूट किया था। मुझे कहना होगा कि मैं इसे जान अब्राहम, दिव्या खोसला कुमार और मेरी टीम के बिना नहीं कर सकता था। उनके समर्पण और जुनून ने इसे संभव बनाया। जान के साथ ट्रिपल रोल की शूटिंग करना अद्भुत था, हालांकि यह उनके लिए बहुत थका देने वाला सफर था। उन्होंने इसे अपना सब कुछ दिया। मैं उनके साथ मजाक करता था कि यदि सत्या (जान के पात्रों में से एक) थक गया है तो मैं उसे जल्दी उठाऊंगा और जय (जान का दूसरा चरित्र) के साथ शूट करूंगा। या अगर जय और सत्य दोनों थके हुए हैं मैं दादासाब (जान का तीसरा किरदार) के साथ शूट करूंगा। निर्देशक फिल्म के विश्व टेलीविजन प्रीमियर को लेकर उत्साहित हैं। वह आगे कहते हैं, मुझे विश्वास है कि चैनल के वफादार दर्शक जो व्यावसायिक मनोरंजन का आनंद लेते हैं, वे बड़ी संख्या में फिल्म देखने के लिए तैयार होंगे। मैं चाहता हूं कि दर्शक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के बारे में इस देशभक्ति और शक्तिशाली कहानी का आनंद लें। संवाद , फिल्म का एक्शन और संगीत निश्चित रूप से उनके घरों में आराम से उनका मनोरंजन करेगा। 'सत्यमेव जयते 2' पुलिस से लेकर राजनेताओं, उद्योगपतियों और यहां तक कि आम लोगों तक समाज में फैले भ्रष्टाचार और गलत काम करने वालों के विषय से संबंधित है। जान अब्राहम एक अपराधी, एक पुलिस अधिकारी और एक पिता की ट्रिपल भूमिका में नजर आ रहे हैं। 'सत्यमेव जयते 2' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 27 मार्च को सोनी मैक्स पर होगा।

माई का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। जानी-मानी अभिनेत्री साक्षी तंवर की वेब सीरीज माई का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। नेटफ्लिक्स ने अपनी अपकमिंग वेब सीरीज माई का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। माई में साक्षी तंवर मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राइमा सेन और वामिका गब्बी समेत कई जाने-माने चेहरे अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। माई एक सस्पेंस-थ्रिलर वेब सीरीज है, जिसे अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा की प्रोडक्शन कम्पनी क्लीन स्लेट्ज ने प्रोड्यूस किया है। साक्षी वेबसीरीज माई में एक ऐसी मां की भूमिका में हैं, जो अपनी बेटी के कातिलों की तलाश में निकली है। उसे इस सवाल का जवाब चाहिए कि उसकी बेटी को आखिर क्यों मारा गया? ट्रेलर में साक्षी बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आती हैं।

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने की पीएम मोदी से भेंट

नई दिल्ली। पंजाब के नव नियुक्त मुख्यमंत्री भगवंत मान और पीएम मोदी की नई दिल्ली में मुलाकात हुई। सीएम की कुर्सी संभालने के बाद भगवंत मान की पीएम मोदी के साथ यह पहली मुलाकात है। मान ने पीएम मोदी को पंजाब की बदहाल होती आर्थिक स्थिति के बारे में बताया और उनसे अगले 2 साल तक के लिए सालाना 50 हजार करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की मांग की है। पीएम मोदी से मिलने के बाद भगवंत मान ने मीडिया से बातचीत में कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा को कायम रखने के लिए हमें केंद्र के समर्थन की आवश्यकता है।

पंजाब की बदहाल आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए हमने केंद्र से 2 साल के लिए प्रति वर्ष 50 हजार करोड़ रुपये के पैकेज की मांग की है। आपको बता दें आम आदमी पार्टी इस बार 117 में से 92 सीटें जीतकर भारी भरकम बहुमत के साथ पंजाब की सत्ता में आई है। लेकिन सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी की चुनौतियां और बढ़ गई हैं। भगवंत मान जिस (पंजाब) राज्य के सीएम बने हैं उस पंजाब को पौने तीन लाख करोड़ रुपये का ऋण चुकाना है। पंजाब के वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के 2.73 लाख करोड़ से अधिक का ऋण है। आपकी जानकारी के लिए यह भी बता दें कि 2017 में कांग्रेस ने जब पंजाब की सत्ता संभाली थी तब पंजाब के ऊपर 1.82 लाख करोड़ का ऋण था। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, हम खजाना लूटने वाले माफियाओं को खत्म कर दोबारा उस खजाने को भरने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा हमें 2 साल के लिए आर्थिक पैकेज मिल जाएगा तो हम अपने राज्य के आर्थिक हालात को संभाल सकेंगे। मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी पंजाब को सहयोग देंगे। पंजाब पर कर्ज के मुद्दे को आम आदमी पार्टी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भी उठाया था। पंजाब को कर्ज मुक्त बनाने के लिए के रास्ते में सीएजी एक रिपोर्ट को चुनौती पेश करती है। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार पंजाब पर 2024-25 में कर्ज बढ़कर 3.73 लाख करोड़ हो सकता है। कोई भी पार्टी सत्ता में आने के लिए जनता से चुनावी वादे करती है। आम आदमी पार्टी ने भी अपने घोषणा पत्र में कई वादे किए थे लेकिन डूबा दे ऐसे थे जिन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। तेरा वादा था कि हर महीने पंजाब के लोगों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी, और दूसरा वादा था कि 18 साल से ऊपर की महिला को हर महीने 1 हजार रुपए दिए जाएंगे।

हरियाणा के दिग्गज भाजपा नेता बीरेंद्र सिंह तीन साल बाद बड़ी रैली कर करेंगे शक्ति प्रदर्शन

जींद। हरियाणा के दिग्गज भाजपा नेता बीरेंद्र सिंह तीन साल की 'चुप्पी' के बाद अपने गृह जिले जींद के उचाना कलां में एक बड़ी रैली करने वाले हैं। 76 वर्षीय बीरेंद्र सिंह के समर्थकों का कहना है कि यह रैली उनके सार्वजनिक जीवन के 50 साल पूरे होने के मौके पर किया जा रहा है। लेकिन इसे उनके शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है। खासतौर पर भाजपा नेतृत्व को अपनी ताकत का एहसास दिलाना और प्रतिद्वंद्वियों को संदेश देना भी इसका मकसद माना जा रहा है। बीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेंद्र सिंह भी इस रैली की तैयारियों में बीते कुछ सप्ताह से जुटे हैं। आईएएस रह चुके बृजेंद्र सिंह फिलहाल हिसार सीट से भाजपा के सांसद हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस रैली में सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इनमें इंडियन नेशनल लोकदल के नेता अभय चौटाला, हरियाणा के आप प्रभारी और राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता के अलावा कांग्रेस और अकाली दल के नेताओं को भी इसमें बुलाया गया है। हरियाणा की राजनीति को समझने वालों का कहना है कि बीरेंद्र सिंह इस रैली के जरिए अपने गढ़ में ताकत दिखाना चाहते हैं। इसके अलावा भाजपा को दो मुद्दों पर संदेश भी देना चाहते हैं। पहला मुद्दा यह है कि 2019 के आम चुनाव से पहले बीरेंद्र सिंह ने चुनावी राजनीति छोड़ने का ऐलान कर दिया था।

4 लाख से ज्यादा छात्रों ने पहले दिन छोड़ी यूपी बोर्ड की परीक्षा, पकड़े गए 23 नकलची

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) द्वारा आयोजित की जा रही 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के पहले दिन चार लाख से ज्यादा परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी. कोरोनाकाल में पहली बार यूपी बोर्ड ऑफलाइन परीक्षा आयोजित कर रहा है. नकल रोकने और परीक्षाओं को सफल तरीके से आयोजित करने के लिए बोर्ड ने कड़े इंतजाम किए हैं। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को प्रथम पाली में हाई स्कूल व इंटर के 2 लाख 61 हजार 120 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी. द्वितीय पाली में एक लाख 57 हजार 387 परीक्षार्थियों ने एग्जाम छोड़ दिए. हाईस्कूल और इंटर को मिलाकर कुल 4 लाख 18 हजार 507 परीक्षार्थियों ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं छोड़ीं. मालूम हो कि प्रथम पाली में हाईस्कूल की हिंदी, प्रारंभिक हिंदी और इंटरमीडिएट की सैन्य विज्ञान की परीक्षा हुई है. जबकि द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की हिंदी व

सामान्य हिंदी विषय की परीक्षा हुई. पहले दिन यूपी बोर्ड की परीक्षा में हाईस्कूल में और इंटर में कुल 23 नकलची पकड़े गए. हाईस्कूल में 16 बालक चार बालिकाएं व इंटरमीडिएट में दो बालक एक बालिकाएं नकल करते पकड़े गए. बोर्ड परीक्षा में दूसरे की जगह नौ परीक्षार्थी परीक्षा देते पकड़े गए हैं. ऐसे में चार जिलों में कुल चार मुकदमे दर्ज किए गए. गाजीपुर के दो, फतेहपुर के दो, गोंडा के एक और प्रयागराज के चार परीक्षार्थियों खिलाफ प्रशासन ने एफआईआर दर्ज करवाई है. सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद ने यह जानकारी दी है. उल्लेखनीय है कि इस बार यूपी बोर्ड में कोई नकल नहीं कर सके इसके लिए प्रशासन ने खास इंतजाम किए हैं. सभी क्लासेज में दो-दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिनमें न सिर्फ वीडियो रिकॉर्डिंग होगी बल्कि ऑडियो रिकॉर्डिंग भी हो पाएगी. ऐसे में एग्जाम में बैठे बच्चे न तो खुद किसी तरह की नकल को अंजाम दे पाएंगे और न कोई टीचर उनकी मदद कर पाएगा. कक्षा 10वीं और 12वीं की ऑफलाइन परीक्षाएं 24 मार्च से शुरू होकर 12 अप्रैल तक चलेगी. इस साल, उत्तर प्रदेश बोर्ड कक्षा 10, 12 बोर्ड परीक्षा 2022 के लिए 51 लाख से अधिक छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है.

विषम परिस्थिति आईटीबीपी जवान कर रहे सीमाओं की रक्षा : मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू

नोएडा। ब्रह्मांड़ सुंदरा का खिताब पाने वाली मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू ने एक आईटीबीपी जवानों के साथ गुजारा और उनके साहस हौंसलों को देखकर अभीभूत हो गईं। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी के जवान विषम परिस्थितियों में रह कर हिमाच्छादित सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं जिस पर देश को गर्व है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में इंडियन तिब्बत बार्डर पुलिस (आईटीबीपी) के शिविर में यह बात कही जहां वह हिमवीर वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (हावा) और आईटीबीपी के तत्वाधीन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थीं। कौर करीब दो घंटे तक जवानों के बीच रहीं। उन्होंने देशसेवा में योगदान के लिए आईटीबीपी जवानों की प्रशंसा की और उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी के जवान विषम परिस्थितियों में रह कर हिमाच्छादित सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं जिस पर देश को गर्व है। वहीं, आईटीबीपी प्रवक्ता वीके पांडे ने बताया कि हावा और आईटीबीपी के तत्वावधान में सूरजपुर प्रांगण में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आईटीबीपी परिवारों के लिए निःशुल्क व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए उषा इंडिया लिमिटेड और वीएलसीसी के साथ समझौता पत्रों का हस्तांतरण भी किया गया। उषा इंडिया लिमिटेड ने हावा को 30 सिलाई मशीनें भी भेंट कीं। इस अवसर पर आईटीबीपी जैज बैंड ने अपने प्रस्तुति से दर्शकों को मनमोह लिया। मौके पर पुरुष व महिला सेंट्रल स्पोर्ट्स टीम समेत हावा परिवारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया गया।

इवेंट मैनेजर से धोखाधड़ी मामले में अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पर मानहानि का केस दर्ज

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी और अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पर एक इवेंट मैनेजर ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। मामले के मीडिया के सामने आने पर सोनाक्षी ने इसे झूठा बताते हुए बयान दिया था। अब अपने इसी बयान के चलते सोनाक्षी सिन्हा एक और मुश्किल में पड़ गईं। मुरादाबाद के इवेंट मैनेजर ने सोनाक्षी सिन्हा के आपत्तिजनक बयान के खिलाफ एसीजेएम-5 कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र दिया है। मैनेजर का आरोप है कि सोनाक्षी ने अपने बयान में उन्हें अपशब्द कहे हैं, जिससे उसकी इमेज को हानि हुई है। इस शिकायत के दर्ज होने के बाद कोर्ट ने प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए 4 अप्रैल, 2022 को सुनवाई की तारीख नियत की है। मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र निवासी प्रमोद शर्मा ने एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा समेत पांच लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। उक्त मुकदमे में सोनाक्षी के खिलाफ कोर्ट से जमानती वारंट जारी हुए थे।

इस पर सोनाक्षी का बयान अखबारों में छपा जिसमें उन्होंने प्रमोद शर्मा के खिलाफ अपशब्द कहे थे। बयान के आधार पर इवेंट मैनेजर ने अधिवक्ता आशुतोष की ओर से सीजेएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया है। अधिवक्ता आशुतोष त्यागी का कहना है कि जो मुकदमा सोनाक्षी सिन्हा और उनके साथियों के खिलाफ कटघर थाने में पंजीकृत हुआ था। जो फाइल में चल रही थी उसमें बेलेबल वारंट जारी हुए थे। सोनाक्षी सिन्हा और बाकी सारे मुल्जिमों के खिलाफ जब यह खबर मीडिया में प्रकाशित हुई तो सोनाक्षी सिन्हा ने इसका खंडन किया। न ही केवल खंडन किया बल्कि मेरे क्लाइंट के लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया जो नहीं होना चाहिए था। मीडिया में भी, टीवी पर भी, अखबारों में भी उन्होंने इस तरह के स्टेटमेंट दिए और तरह-तरह की बातें उन्होंने की। इसलिए हमने उनके खिलाफ सारे सबूतों के साथ आज कंप्लेंट फाइल की है। कंप्लेंट एडमिट हो चुकी है। आगे की सुनवाई के लिए उसमें 4 अप्रैल लग गई है।

दूसरे के दुख में शामिल होने आए दंपति से हमेशा के लिए बिछड़ गई दो साल की मासूम, तालाब में गिर कर गई जान

मैनपुरी। शहरी क्षेत्र के पास के ही गांव जरामई में आज सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। यहां दो साल की मासूम बच्ची की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि बच्ची खेलते-खेलते घर से बाहर निकल आई थी, जो किसी तरह तालाब तक पहुंच गई। जब तक कोई उसे देख पाता तब तक तालाब में डूबने से उसकी जान चली गई। क काफी देर बाद परिवार के लोगों ने जब उसकी तलाश की, तो मामले की जानकारी हो सकी।बताया गया है कि मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के गांव नगला ढफा निवासी सत्यम सिंह की ससुराल में गमी हो गई थी। होली के त्योहार पर वह पत्नी व दो वर्षीय पुत्री लाडो के साथ गमी उठाने के लिए आए थे। बृहस्पतिवार को बच्ची खेलते हुए अचानक घर से बाहर निकल गई। बच्ची किसी तरह से घर पास बने तालाब में जा गिरी। कुछ देर बाद बच्ची को घर में न देख परिजन चिंतित हुए और उसकी तलाश शुरू कर दी।बच्ची का कहीं भी पता नहीं लग पा रहा था। इसके बाद परिजन जब तालाब की ओर पहुंचे, तो वहां का नजारा देख उनके पैरोंतले जमीन खिसक गई। मासूम लाड़ो तालाब में पड़ी थी। आनन-फानन में बच्ची को बाहर निकाला गया, जिसके बाद परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि बच्ची मर चुकी है। दो साल की बेटी की मौत की खबर सुनते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। माता-पिता तो बेसुध हो गए।दोनों को किसी तरह रिश्तेदारों ने संभाला, जिसके बाद परिजन बच्ची के शव को जरामई लेकर भिंड चले गए।

योगी के शपथ ग्रहण के उल्लास में डूबा गोरखपुर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण को लेकर गोरक्षनगरी उल्लास में डूब गई है। मुख्यमंत्री योगी आादित्यनाथ प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शपथ ग्रहण करेंगे लेकिन उनकी कर्मनगरी गोरखपुर में भी भव्य जश्न मनेगा। शपथ ग्रहण समारोह के लिए तकरीबन 2500 की संख्या में भाजपाई और मौजिज लोग लखनऊ के लिए रवाना हुए। इस दौरान मोदी-योगी के नारे लगाए गए। उधर शपथ ग्रहण समारोह पर दिवाली और ईद की तरह शहर के प्रमुख चौराहों को झालरों से सजाया गया है। क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह के मुताबिक गोरखपुर क्षेत्र के 4234 शक्ति केंद्रों पर लोक कल्याण के लिए पूजन कर मिष्ठान का वितरण किया जाएगा। हर ब्लॉक, नगर पंचायत, नगर निगम के सभी वार्डो में एलइडी टीवी लगाई जा रही है। जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह के मुताबिक भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों में पूजा-पाठ करेंगे। 430 मंदिरों में पूजा-पाठ की व्यवस्था हुई है।

योगी के शपथ ग्रहण से पहले लखनऊ में एनकाउंटर पुलिस ने 1 लाख का इनामी बदमाश ढेर किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में योगी आदित्यनाथ के दूसरे शपथ ग्रहण से पहले राजधानी में अभूतपूर्व सुरक्षा की गई है। पीएम मोदी समेत सैकड़ों वीवीआईपी के पहुंचने से पहले यहां पुलिस और बदमाश के बीच एनकाउंटर हुआ है। पुलिस के साथ मुठभेड़ में इनामी बदमाश राहुल सिंह ढेर हो गया है। यह मुठभेड़ हसनगंज इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुई। इनामी बदमाश राहुल सिंह अलीगंज ज्वैलर्स लूट कांड में भी वांटेड था। लूट के दौरान उसने कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आज सुबह लखनऊ में पुलिस ने उसे घेरा तो वह गोलीबारी करने लगा। दोनों ओर से गोलीबारी में राहुल सिंह घायल हो गया। पुलिस ने बदमाश को अस्पताल में कराया गया भर्ती कराया गया है, जहां उसकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर अलीगंज धर्मेंद्र सिंह यादव के मुताबिक कपूरथला अलीगंज सेक्टर-बी में निखिल अग्रवाल की तिरुपति ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। 8 दिसंबर 2021 की सुबह निखिल, कर्मचारी श्रवण कुमार

और दो महिला कर्मचारी दुकान में मौजूद थे। उसी दौरान बदमाश धड़धड़ाते हुए दुकान में घुस गए थे। असलहों से लैस बदमाशों ने जेवर लूट लिए थे। भागते वक्त श्रवण ने एक बदमाश को दबोच लिया था। जिसने असलहे से श्रवण के पेट में गोली मार दी थी। जिससे कर्मचारी की मौत हो गई थी। इंस्पेक्टर के मुताबिक सीसी फुटेज में शाहजहांपुर जलालाबाद निवासी राहुल नजर आया था। वहीं, गिरोह में शामिल हनी सिंह और गुड़ंबा निवासी रवि कुमार वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। जिन्होंने भी राहुल के गोली चलाने की पुष्टि की थी। इस बीच पुलिस ने राहुल की तलाश के लिए शाहजहांपुर के अलावा अन्य जिलों में भी दबिश दी थी। लेकिन सफलता नहीं मिली थी। गुरुवार रात बदमाश के अलीगंज में आने की सूचना मिली थी। जिसके आधार पर टीमें चेकिंग कर रहीं थीं। हसनगंज बंधा रोड के पास पहुंचने पर संदिग्ध व्यक्ति नजर आया था। जिसका हुलिया राहुल सिंह से मिल रहा था। इस पर सिपाहियों ने संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया था। लेकिन बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी।

सांसद हरनाथ सिंह ने उठाया उप्र में साहित्य और संस्कृति के विकास मुद्दा

मैनपुरी। राज्यसभा सदस्य हरनाथ सिंह यादव ने बृहस्पतिवार को सदन में उत्तर प्रदेश में भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के विकास का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि उत्तर प्रदेश में इसके लिए क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही भारतीय भाषाओं में देश के प्राचीन साहित्य के संरक्षण पर भी उन्होंने विशेष जोर देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि देश में युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए क्या कार्य किए जा रहे हैं। इस पर संस्कृति पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी किशन रेड्डी ने उनके प्रश्नों का जवाब दिया। उन्होंने बताया कि संस्कृति मंत्रालय का उद्देश्य भारतीय साहित्य, संस्कृति और कलाओं का संरक्षण और संवर्धन करना है। रोजगार सृजन करना संस्कृति मंत्रालय का कार्य नहीं है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों को भी उन्होंने गिनाया।

दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराना जरूरी

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का 87वां दीक्षांत समारोह 29 मार्च को होगा। समारोह में शामिल होने के लिए पीएचडी एवं डी.लिट उपाधि धारकों और सभी पदक धारकों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कन्वोकेशन 2021 के पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण प्रपत्र का प्रिंटआउट निकाल कर संबंधित कॉलेज या संस्थान के प्राचार्य/निदेशक/विभागाध्यक्ष से हस्ताक्षर कराकर व मुहर लगवाकर प्रमाणित कराना होगा। प्रमाणित किया हुआ पंजीकरण प्रपत्र ही दीक्षांत समारोह के लिए अनुमति पत्र होगा। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर प्रदीप श्रीधर के मुताबिक दीक्षांत समारोह छत्रपति शिवाजी मंडपम खंदारी परिसर में सुबह 11 बजे से होगा। पदक धारकों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। पदक धारक के साथ उसके एक अभिभावक को दीक्षांत समारोह में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी, इसके लिए उन्हें अपने आधार कार्ड/वोटर आईडी कार्ड की मूल प्रति अपने साथ ले जानी होगी। दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास 28 मार्च को शिवाजी मंडपम में सुबह 10:30 बजे से किया जाएगा।

उपाधि पत्र व पदक प्रमाणपत्र का वितरण 26 से होगा- विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव के मुताबिक पदक पाने वाले अभ्यर्थी प्रमाणित पंजीकरण फॉर्म को दिखाकर अपना उपाधिपत्र और पदक प्रमाणपत्र 26 व 27 मार्च को सुबह 10:00 से शाम 05:00 बजे तक डिग्री सेक्शन से और 28 मार्च को सुबह 10:00 से शाम 05:00 बजे तक सेठ पद्म चंद जैन संस्थान से प्राप्त कर सकते हैं। उपाधि प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को उत्तरीय प्राप्त करने के लिए 150 रुपये शुल्क ऑनलाइन जमा कराना होगा। उपाधि पाने वाले अभ्यर्थी अपना उत्तरीय और उपाधि पत्र 26 व 27 मार्च को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क परिसर स्थित शोध विभाग से और 28 मार्च को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक सेठ पद्म चंद जैन संस्थान खंदारी परिसर से प्राप्त कर सकते हैं।

गांजा तस्कर ने हेड कांस्टेबल पर किया हमला लूटा मोबाइल

गाजियाबाद। गाजियाबाद में विजयनगर थानाक्षेत्र के लाल क्वार्टर में समन लेकर गए विजयनगर थाने के हेड कांस्टेबल पर गांजा तस्कर ने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। हेड कांस्टेबल ने जैसे ही पुलिस बुलाने के लिए फोन निकाला तो गांजा तस्कर मोबाइल लूटकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की धरपकड़ के लिए घंटों कांबिंग की, लेकिन उसका सुराग नहीं लग सका। हेड कांस्टेबल की तहरीर पर विजयनगर पुलिस ने गांजा तस्कर व उसके साथियों के खिलाफ लूट, मारपीट व सरकारी कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज किया है। विजयनगर एसएचओ योगेंद्र मलिक ने बताया कि लाल क्वार्टर निवासी आकाश उर्फ जुल्मी पूर्व में थाना पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वर्तमान में कोर्ट की तरफ से उसके समन जारी हुए थे। थाने में तैनात हेड कांस्टेबल सर्वेंद्र सिंह राठौर समन तामील कराने के लिए लाल क्वार्टर गए थे।

जिलाधिकारी ने कई परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

मऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा आज से प्रारंभ हो चुकी है। जनपद मऊ में कुल 126 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हो रही है। परीक्षा को नकल विहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी सक्रियता से कार्य कर रहा है। इसीक्रम में आज जिलाधिकारी अरुण कुमार ने जनपद मुख्यालय स्थित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जीवन राम इंटर कॉलेज के निरीक्षण के दौरान कमरों में छात्रों के बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे लगने की स्थिति आदि का जायजा लिया, साथ ही सभी कमरों में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र स्थित कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया, जहां से सभी परीक्षा कक्षो में लगे सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी की जा रही है। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र मुस्लिम इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। जहां पर बड़ी संख्या में परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा दे रहे है। जिलाधिकारी ने लगभग सभी कक्षों का निरीक्षण किया, साथ ही वहां स्थित कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रश्न-पत्रों के रखने हेतु बनाए गए डबल लॉकर व्यवस्था को भी देखा।

जिलाधिकारी ने बताया कि बोर्ड परीक्षा-2022 शासन की प्राथमिकता में है। बोर्ड परीक्षा-2022 को नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराना है, अगर कोई भी व्यवधान उत्पन्न करता है तो उसके खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापक, सह केंद्र व्यवस्थापक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं, अगर कहीं कोई समस्या आती है तो तत्काल संबंधित उच्च अधिकारियो को सूचित करें। निरीक्षण किए गए केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओ एवं परीक्षा प्रक्रिया को देखकर जिलाधिकारी संतुष्ट दिखे। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अजय गौतम, नगर मजिस्ट्रेट त्रिभुवन, क्षेत्राधिकारी धनंजय मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 धनपाल सिंह उपस्थित रहे।

केवाईसी को लेकर बैंक सहायक प्रबंधक को मारपीट कर किया घायल

नदवासराय, मऊ। कोतवाली घोसी क्षेत्र के नदवासराय बाजार में स्थापित बड़ौदा यूपी की शाखा में बृहस्पतिवार की दोपहर लगभग बारह बजे कोतवाली घोसी के रघौली माऊरबोझ निवासी वसीम खान पुत्र परवेज अहमद खान अपने खाते की केवाईसी कराने पहुंचा तत्काल केवाईसी न करने पर बैंक में सहायक प्रबंधक पद पर कार्यरत हीरालाल पुत्र पन्नालाल से कहासुनी होने लगी और देखते ही देखते दोनों में मारपीट होने लगी जिसमें सहायक प्रबंधक हीरालाल घायल हो गए। इस बाबत हीरालाल ने बताया कि बैंक में काफी भीड़ थी। उसी बीच उपभोक्ता तत्काल केवाईसी करने का दबाव बनाने लगा जिसे शाम तक करने के लिए कहा गया तो आगबबूला हो गया और मारपीट कर घायल कर दिया और बैंक मे काउंटर पर लगा शीशा तोड़ कर फरार हो गया। घटना की सूचना पर रिजनल आफिस से पहुंचे डीआरएम प्रवीण कुमार सिन्हा, सुमित भगत, शिवानंद तिवारी, शाखा प्रबन्धन बलुवा पोखरा सुधीर चन्द वर्मा के साथ शाखा प्रबंधक नदवासराय अभिषेक सिंह तोमर ने उपद्रवी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराने के लिए पुलिस को तहरीर दिया है।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में न्यायिक कार्यों का किया बहिष्कार

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। महाराजगंज जनपद में अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या किए जाने के विरोध में मुहम्मदाबाद गोहना तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ता बृहस्पतिवार को न्यायिक कार्यो से विरत रहे। इस दौरान अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित तीन सूत्रीय मांग पत्र उप जिलाधिकारी को सौंपा और कार्यवाही किए जाने की मांग किया।महाराजगंज जनपद में अधिवक्ता गौरव श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या किए जाने के विरोध में स्थानीय तहसील बार के अधिवक्ता आंदोलित रहे। वृहस्पतिवार को सभी अदालतों के न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया। इस दौरान तहसील अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एजाज अहमद खान और महामंत्री लालजी गौतम के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित मांग पत्र उपजिलाधिकारी मनोज तिवारी को सौंपा। अधिवक्ताओं की मांग है कि

साथी अधिवक्ता के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार किया जाए। अधिवक्ता के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 50 लाख रुपए की सहायता दिया जाए। अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को तुरंत लागू किए जाने की मांग किया। इस दौरान प्रमुख रुप से महेंद्र राय एडवोकेट, अली इमदाद जैदी, संजय शर्मा, अर्शे आलम, उदयभान, महेश यादव, राम पलट राय, प्रदीप उपाध्याय, सुधीर श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, आबिद एजाज, विनय श्रीवास्तव, ललन सिंह, संजय उपाध्याय आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

धोनी ने छोड़ी चेन्नई की कप्तानी

जडेजा को सौंपी कमान, बतौर बल्लेबाज टीम में होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 40 वर्षीय महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल के 15वें सीजन के शुरू होने से पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। आगामी सीजन में धोनी की जगह रवींद्र जडेजा सीएसके की कमान संभालेंगे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी बतौर बल्लेबाज टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

धोनी के इस फैसले से क्रिकेट जगत काफी निराश हैं। 2008 से धोनी ने चेन्नई की कप्तानी संभाल रहे थे। धोनी के नेतृत्व में चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा प्लेऑफ के लिए क्वॉलीफाई करने वाली टीम है। एमएस धोनी ने अपनी कप्तानी में फ्रेंचाइजी को चार बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। आईपीएल इतिहास में मुंबई इंडियंस के बाद चेन्नई सुपर किंग्स सबसे सफल टीम है।सीएसके नेकहा, महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कमान टीम के अनुभवी एवं सबसे पुराने खिलाड़ी रविंद्र जडेजा को सौंपने का फैसला किया है। जडेजा, जो 2012 से चेन्नई सुपर किंग्स का अभिन्न अंग रहे हैं, सीएसके का नेतृत्व करने वाले केवल तीसरे खिलाड़ी होंगे। धोनी इस सीजन और उसके बाद भी चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सीएसके 26 मार्च को पिछले सीजन के उप विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले से अपना 2022 आईपीएल अभियान शुरू करेगा। आईपीएल 2022 मेगा नीलामी से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने चार स्टार खिलाड़ियों को रिटेन किया था। रविंद्र जडेजा, एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड और मोईन अली। लेकिन फ्रेंचाइजी ने जडेजा को धोनी से ज्यादा रकम देकर टीम में रखा था, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि जडेजा टीम के अगले कप्तान बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने रविंद्र जडेजा को 16 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर अपनी टीम से जोड़ा है। एम एस धोनी को 12 करोड़ मिलेंगे। यह पहली बार नहीं है कि धोनी ने अचानक लिए फैसले से सबको चौंकाया। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी टेस्ट और वनडे की कप्तानी धोनी ने अचानक ही छोड़ी थी। हालांकि, इसमें कोई शक नहीं कि चाहे अंतरराष्ट्रीय करियर हो या आईपीएल करियर, धोनी की कैप्टेंसी रिकॉर्ड की कोई बराबरी नहीं है। धोनी ने बतौर कप्तान अपने आईपीएल करियर का अंत ट्रॉफी के साथ किया। धोनी की कप्तानी में सीएसके की टीम आईपीएल 2021 जीती थी।

धोनी की कप्तानी में 50 फीसद से ऊपर रहा जीत का प्रतिशत

पिछले 14 सीजन तक धोनी ने 204 मैचों में सीएसके की कप्तानी की। इसमें से चेन्नई ने 121 मैच जीते और 82 में हार का सामना करना पड़ा। एक मैच का नतीजा नहीं निकला। धोनी का विनिंग परसेंटेज 59.60 है। धोनी के नेतृत्व में चेन्नई सुपर किंग्स ने चार बार (2010, 2011, 2018 और 2021) आईपीएल ट्रॉफी जीती और दो चैंपियंस लीग (2010, 2014) का खिताब अपने नाम किया। धोनी को टी-20 अंतरराष्ट्रीय की कप्तानी 2007 में सौंपी गई थी। तब उन्होंने टी-20 विश्व कप में भारत को जीत दिला, सबका दिल जीता था। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें वनडे की कप्तानी भी सौंप दी थी। धोनी की ही कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में त्रिकोणीय वनडे सीरीज में हराया था। 2008 में खेले गए इस सीरीज का नाम कॉमनवेल्थ बैंक सीरीज था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत के अलावा श्रीलंका तीसरी टीम थी।

माही भाई की विरासत को आगे बढ़ाना है: रवींद्र जडेजा

गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स टीम के नए कप्तान रवींद्र जडेजा ने कहा कि उनका काम माही भाई की विरासत को आगे बढ़ाना है। चेन्नई आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक है। जडेजा ने कप्तान बनने के बाद कहा कि मुझे अच्छा लग रहा है, लेकिन मुझे एक बड़े खिलाड़ी की जिम्मेदारी दी गई है, जिसे भरना बिल्कुल भी आसान नहीं होगा। माही भाई ने कप्तान के रूप में जो विरासत खड़ी की है। मुझे उसे आगे बढ़ाना है। जडेजा चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2012 से ही जुड़े हुए हैं। उन्होंने चेन्नई को अपने दम पर कई मैच जिताए हैं। वह कातिलाना गेंदबाजी और धाकड़ बल्लेबाजी में माहिर हैं। जडेजा ने कहा कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है, उनके साथ माही भाई मौजूद हैं। अगर उन्हें कोई भी समस्या होगी, तो माही भाई के पास जाकर सवाल पूछेंगे। इसके साथ ही जडेजा ने सभी फैंस का शुक्रिया अदा किया है। जडेजा सीएसके टीम के तीसरे कप्तान होंगे। उनसे पहले धोनी और सुरेश रैना चेन्नई की कप्तानी संभाल चुके हैं। धोनी की कप्तानी छोड़ने पर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने प्रतिक्रिया दी है। विराट और धोनी की दोस्ती काफी गहरी है। धोनी के बाद विराट कोहली ने ही तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। कोहली ने सोशल मीडिया पर लिखा, पीली जर्सी में शानदार कप्तानी के कार्यकाल का अंत। एक ऐसा अध्याय जिसे फैंस कभी नहीं भूलेंगे। आपके प्रति हमेशा सम्मान रहेगा। इसके साथ ही कोहली ने धोनी के साथ गले लगते हुए फोटो डाली।

मोईन की वीजा प्रक्रिया पूरी, सीएसके से जुड़ने की लिए तैयार

मुंबई। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर मोइन अली का लंबा इंतजार खत्म हो गया है और वह आज चेन्नई सुपर सीएसके से जुड़ने के लिए तैयार हैं। फ्रेंचाइजी और परिवार ने पुष्टि की है कि भारत की यात्रा करने के लिए मोइन के वीजा संबंधी प्रक्रिया पूरी हो गई। उनके पिता मुनीर अली ने कहा, मोइन को बुधवार को उनके कागजात मिले और वह उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। वहीं सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा, मोइन मुंबई पहुंचेंगे और यहां से सीधे आइसोलेशन में चले जाएंगे। उन्हें हालांकि टीम के पहले मैच के लिए बतौर खिलाड़ी उपलब्ध होने के लिए वीजा मंजूरी नहीं मिली है। वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, लेकिन हमें खुशी है कि सारा संदेह खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि आईपीएल 2022 सीजन शनिवार से शुरू हो रहा है और गत चैंपियन होने के नाते चेन्नई सुपर किंग्स पहला मैच खेलेगा।

मुंबई इंडियंस से जुड़े सचिन तेंदुलकर

आईपीएल 2022 के शुरू होने से पहले मुंबई इंडियंस के कैंप से सचिन तेंदुलकर भी जुड़ चुके हैं। फ्रेंचाइजी ने सचिन तेंदुलकर का टीम के होटल पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इसकी जानकारी दी है। सचिन के इस वीडियो को साथ मुंबई इंडियंस ने लिखा है आला रे।

औबेदुल्ला खां टूर्नामेंट: इंडियन ऑयल ने पंजाब एण्ड सिंध बैंक को 3-0 से हराया

इंडियन नेवी - आर्मी इलेवन के बीच का मुकाबला ड्रॉ

भोपाल। औबेदुल्ला खां हेरीटैज कप हॉकी टूर्नामेंट-2022 के चौथे दिन पहले मुकाबले में इंडियन ऑयल ने पंजाब एण्ड सिंध बैक को 3-0 से परास्त किया। दूसरे मुकाबले में जीएसटी हॉकी चेन्नई को आर्मी ग्रीन ने 4-2 से हराया। तीसरा मुकाबला इंडियन नेवी और आर्मी इलेवन के मध्य 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। खनीज और श्रम मंत्री मान. ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह तथा डीआरएम उदय बोस्नकर ने प्लेयर ऑफ द मैच खिलाड़ियों को किया।

इंडियन ऑयल के लिए तलविन्दर सिंह ने 22वें मिनट में, रोशन मिंज ने 38वें मिनट में, सुमीत कुमार ने 49वें मिनट में, पंजाब एण्ड सिंध बैंक की टीम मैच में कोई गोल नहीं कर सकी। इंडियन ऑयल ने यह मुकाबला 3-0 से जीत लिया। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच अरिजीत सिंह हुंडल रहे। जीएटी हॉकी चेन्नई और आर्मी ग्रीन के मध्य खेले गए दूसरे मुकाबले में। चेन्नई के लिए तमिल अरसान ने पहला गोल दागा। वहीं 50वें मिनट में बालाजी ने टीम के लिए दूसरा गोल दागा। आर्मी ग्रीन के लिए डेविड डूंग डूंग ने 16वें और 52वें मिनट में में गोल दागे वहीं 37वें मिनट में सिमरनदीप ने, 42वें मिनट में प्रदीप बिष्ट ने गोल दागा। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच आर्मी ग्रीन के खिलाड़ी डेविड डूंग डूंग रहे। इंडियन नेवी और आर्मी इलेवन के मध्य खेला गया तीसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। इस मैच में पहले क्वॉर्टर के 5वें इंडियन नेवी के लिए आकिब रहीम ने 5वें मिनट में व सेल्वाराज ने 29वें मिनट में गोल दागा। वहीं आर्मी इलेवन के लिए प्रताप शिंदे ने 30वें मिनट में व हरमान सिंह ने 54वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर किया। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच इंडियन नेवी के खिलाड़ी संजय बी. (गोलकीपर) रहे।

साथियान-मनिका की जोड़ी ने जीता रजत पदक

अचंता शरत कमल को मिला कांस्य

दोहा। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी कंटेंडर दोहा 2022 चैम्पियनशिप में दो पदक अपने नाम किये जिसमें अचंता शरत कमल का एकल कांस्य पदक शामिल रहा।

जी साथियान और मनिका बत्रा की मिश्रित जोड़ी ने उम्मीद के अनुरूप रजत पदक प्राप्त किया। उन्हें लिन युन जू और चेंग आई चिंग की चीनी ताइपे की शीर्ष वरीय जोड़ी से मिश्रित युगल के फाइनल में 4-11, 5-11, 3-11 से पराजय झेलनी पड़ी। वहीं शरत कमल छठे गेम में फायदे की स्थिति के बावजूद पुरूष एकल सेमीफाइनल में चीन के युआन लिसेन से 3-4 से हार गए। दो साल में यह शरत का पहला पदक है। इस अनुभवी भारतीय ने 2020 में ओमान ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। शरत ने मैच के बाद कहा, मैं खुश हूं कि पोडियमस्थान हासिल करने में सफल रहा। मैं इस लय को अगले टूर्नामेंट में भी जारी रखूंगा। मुझे मैच छठे गेम में ही खत्म कर देना चाहिए था, पर इसमें मैं चूक गया।

प्रो लीग: एफआईएच ने घोषित किया चौथे सीजन का शेड्यूल

भुवनेश्वर। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने गुरुवार को एफआईएच प्रो लीग के चौथे सीजन के लिए नया कार्यक्रम जारी किया है, जिसके अनुसार भारत अक्टूबर 2022 में अपने घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 28 अक्टूबर को न्यूजीलैंड और 30 अक्टूबर को स्पेन के खिलाफ शुरू करने वाली टीम के साथ मैचों के पहले सेट की मेजबानी करेगा। वह क्रमशः 4 और 6 अक्टूबर को न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ मैच खेलेंगे। दोनों मेहमान न्यूजीलैंड और स्पेन भी 29 अक्टूबर और 5 नवंबर को एक दूसरे के खिलाफ डबल हेडर खेलेंगे। नए प्रारूप के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू प्रतियोगिता की योजना बनाने में सहायता के लिए शेड्यूल को सभी पार्टियों द्वारा सहमत दिनांक ब्लॉकों की एक सीरीज में विभाजित किया जाएगा, जिसके भीतर मिनी-टूर्नामेंट खेला जाएगा, जहां एक दूसरे के खिलाफ दो मैच खेलने के लिए कई टीमें एक स्थान पर एकत्रित होंगी। इस नए शेड्यूल के साथ पहले सीजन के लिए सात देशों ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम, इंग्लैंड, भारत, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड में मैचों की मेजबानी की जाएगी। मैच 28 अक्टूबर 2022 से 5 जुलाई 2023 के बीच खेले जाएंगे।

दूसरी पारी में पाकिस्तान की मजबूत शुरुआत

351 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बिना विकेट खोए 73 रन बनाए

लाहौर। 351 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों इमाम-उल-हक (42) और अब्दुल्ला शफीक (27) की मजबूत शुरुआत की बदौलत पाकिस्तान ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच के चौथे दिन गुरुवार को 27 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 73 रन बना लिए। पाकिस्तान की ठोस शुरुआत ने ऑस्ट्रेलिया को चिंता में डाल दिया। ऐसे में अब पांचवें और आखिरी दिन शुक्रवार को सीरीज का फैसला होगा।

इमाम जहां चार चौकों की मदद से 93 गेंदों में 42, जबकि शफीक तीन चौकों और एक छक्के के सहारे 69 गेंदों पर 27 रन पर खेल रहे हैं। पाकिस्तान को जीत के लिए 278 रनों की जरूरत है और आखिरी दिन 121 ओवर फेंके जाने हैं।इससे पहले आज ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 227 रन पर दूसरी पारी घोषित की। अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने फॉर्म जारी रखते हुए सीरीज का दूसरा शतक जड़ा। उन्होंने आठ चौकों के दम पर 178 गेंदों पर 104 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं डेविड वार्नर ने छह चौकों और एक छक्के के सहारे 91 गेंदों पर 51 रन बनाए।कप्तान पैट कमिंस ने अपने गेंदबाजों को विकेट लेने के लिए पर्याप्त समय देने के लिए इस स्कोर पर पारी घोषित करने का निर्णय लिया, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। कमिंस सहित छह गेंदबाजों ने गेंदबाजी की, लेकिन कोई विकेट नहीं ले पाया।

टेस्ट में सबसे कम पारियों में 8000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने स्मिथ

स्टीव स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 8000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। स्मिथ ने श्रीलंका के बल्लेबाज कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। पाकिस्तान के खिलाफ चौथे हसन अली की गेंद पर चौका लगाकर अपने टेस्ट करियर की 151 पारी (85 टेस्ट) में 8 हजार रन बनाने की उपलब्धि अपने नाम कर ली। कुमार संगकारा ने 152 टेस्ट पारियों (91 टेस्ट) में 8000 रन पूरे किए थे। स्मिथ के 151 टेस्ट पारियों में 59.78 की औसत से 8010 रन हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 27 शतक और 36 अर्धशतक निकले हैं। पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद मजबूत हो गई है। टीम को पहली पारी में 123 रनों की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में स्टीव स्मिथ के आउट होने तक ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 216 रन बना लिए हैं। सबसे तेज 8 हजार टेस्ट रन बनाने की लिस्ट में तीसरे पायदान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 154 पारियों में टेस्ट क्रिकेट में 8000 रन का आंकड़ा पार किया था। वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स 157 पारियों के साथ चौथे नंबर पर हैं। राहुल द्रविड़ 158 पारियों में 8000 रन के पार गए थे। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में सातवें पायदान पर हैं।

स्विस ओपन: श्रीकांत और कश्यप क्वॉर्टरफाइनल में

पुरुष युगल में सात्विक-चिराग की जोड़ी हारी

बासेल। विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत ने गुरूवार को यहां स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव की चुनौती से पार पाते हुए पुरूष एकल क्वॉर्टरफाइनल में प्रवेश किया।

दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने एक घंटा 13 मिनट तक चले दूसरे दौर के मुकाबले में 60वी रैंकिंग के खिलाड़ी पोपोव पर 13-21 25-23 21-11 से जीत दर्ज की। सातवें वरीय भारतीय का सामना अब दूसरे वरीय एंडर्स एंटोनसेन से होगा। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता पारूपल्ली कश्यप ने ओलंपिक चैम्पियन विक्टर एक्सेलसेन के वॉकओवर देने से क्वॉर्टफाइनल में जगह बनाई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की तीसरी वरीय जोड़ी को हालांकि पुरूष युगल में प्रमुद्या कुसुमावर्दना और येरेमिना एरिच योचे याकोब रम्बिटान की इंडोनेशियाई जोड़ी से 19-21 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में अस्मिता चालिहा ने दूसरे दौर में आठवीं वरीय कर्स्टी गिलमोर से 18-21 20-22 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। बुधवार को सिंधु ने दूसरे दौर में प्रवेश किया था और अब वह तुर्की की नेसिल्हान यिगिट के सामने होंगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी ने भी अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने एलिने मुलर और जेंजिरा स्टाडेलमैन की स्थानीय जोड़ी को सीधे सेट में 21-15 21-16 से हराया।

रवि और बजरंग संभालेंगे भारतीय चुनौती

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के पदक विजेता पहलवान रवि कुमार (57) और बजरंग (65) सीनियर एशियाई कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती संभालेंगे। सीनियर एशियाई कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 24 अप्रैल तक उलानबातार (मंगोलिया) में होगा।

प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल केडी जाधव कुश्ती स्टेडियम में हुआ जिसमें पुरुष फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन टीमों को चुना गया। महिला टीम के लिए चयन ट्रायल एसटीसी लखनऊ में होगा।

फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन टीमें

फ्री स्टाइल: रवि कुमार, कादयान, बजरंग, नवीन,यश, गौरव, बालियान, दीपक पुनिया, विकी, सत्यव्रत कादयान, अनिरुद्ध कुमार, **ग्रीको रोमन शैली:** 55 अर्जुन हलाकुरकी 60 ज्ञानेंदर 63 नीरज 67 सचिन सेहरावत 72 विकास 77 साजन 82 हरप्रीत सिंह 87।

वर्ल्ड एथलेटिक्स ग्रां प्री में सोमेस्वर और मोहित ने जीते दो स्वर्ण

दुबई। लॉन्ग जम्पर सोमेस्वर राव और भाला फेंक एथलीट मोहित ने दुबई 2022 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में गुरुवार को चमकदार बनाते हुए व्यक्तिगत मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीत लिए। ओवरआल, भारतीय दल ने छह पदक जीते और दो एशियाई रिकॉर्ड बनाए। रमुद्री ने लम्बी कूद पुरुष टी 64 फ़ाइनल और धर्मबीर ने डिस्कस व्हीलचेयर पुरुष एफ़ 51 फ़ाइनल में नए एशियाई रिकॉर्ड बनाए। दिन की आखिरी स्पर्धाओं में रमुद्री ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 6.40 मीटर की छलांग लगाई। थाईलैंड को दूसरा और मलेशिया को तीसरा स्थान मिला। 2018 एशियाई पैरा खेलों में चौथे स्थान पर रहे 24 वर्षीय रमुद्री ने कहा, यह लम्बी कूद में मेरा अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक है और मैं बहुत खुश हूं। मैं अपने प्रदर्शन में और सुधार करने की कोशिश करूंगा और आगामी एशियाई पैरा खेलों में बेहतर प्रदर्शन करूंगा।भाला फेंक फाइनल एफ44/46/63/64 फाइनल्स में मोहित ने 54.71 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दिल्ली कैपिटल्स में नए चेहरे: आगरकर

मुंबई। जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह-स्वामित्व की दिल्ली कैपिटल्स फ्रैंचाइजी ने टाटा आईपीएल 2022 सीज़न के लिए अपने कोचिंग स्टाफ में दो नए चेहरे शामिल किए हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत आगरकर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑल-राउण्डर शेन वॉटसन ने इस नई यात्रा पर उत्सुकता जताई है।दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों के साथ अपने पहले कुछ दिनों के बारे में बात करते हुए आगरकर ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स कैम्प में शामिल होना बहुत अच्छा अनुभव रहा है। टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मैं देख सकता हूं कि डीसी मैनेजमेन्ट ने टीम के लिए अनुकूल माहौल बनाया है, जो फ्रैंचाइजी की सफलता में साफ झलकता है। मेरे समेत कई नए चेहरे टीम में शामिल हुए हैं। हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम इस अनुकूल माहौल को बनाए रखें। आगरकर ने दिल्ली कैपिटल्स के हैड कोच के साथ काम के बारे में बताया रिकी पोंटिंग की वजह से बहुत से लोग टीम के साथ काम करना चाहते हैं। मैं भाग्यशाली हूं, कि मुझे कई बार उनके साथ खेलने का मौका मिला। मैंने उनके साथ आईपीएल भी खेला है। मैं उन्हें लम्बे समय से जानता हूं। और मैं यह भी जानता हूं कि युवा खिलाड़ियों को रिकी के साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है।

कोहली को अपने खेल का आनंद लेना होगा: शास्त्री

मुंबई। आईपीएल के कमेंट्री पैनल में वापसी करने वाले भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री को उम्मीद हैं कि विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीज़न में अधिक स्वतंत्रता के साथ बल्लेबाजी करेंगे। वह इसलिए क्योंकि उनपर अब कप्तानी का दबाव नहीं होगा। सितंबर 2021 में भारतीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम की कप्तानी त्यागने के बाद से, कोहली ने या तो सभी प्रारूपों से कप्तानी को त्याग दिया है या फिर उन्हें कप्तानी से निकाला गया है।टी20 विश्व कप 2021 में मिली निराशा के साथ समाप्त हुए अपना कार्यकाल से पहले, टीम के प्रमुख कोच शास्त्री ने कोहली के साथ मिलकर काफी काम किया है। आईपीएल 2022 के दौरान शास्त्री ईएसपीएनक्रिकइंफो के विशेष कार्यक्रम टी20 टाइमआउट में विश्लेषक की भूमिका में नजर आएंगे। शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है (कप्तानी छोड़ना) उनके लिए वरदान साबित हो सकता है। कप्तानी का दबाव उनके सिर से हट गया और साथ ही उसके साथ आने वाली उम्मीदें भी अब नहीं रही। वह पूरी स्वतंत्रता के साथ मैदान पर खुलकर खेल सकते हैं और मुझे लगता है कि वह ऐसा ही करना चाहेंगे। उन्होंने आगे कहा, उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात होगी अपने प्रदर्शन पर अधिक सोच-विचार ना करना। विश्व क्रिकेट में बहुत कुछ करने के कारण ही वह यहां खड़े हैं। अहम होगा कि वह अपने खेल का आनंद ले।मैं चाहता था कि वह (विराट कोहली) टेस्ट मैचों में कप्तानी जारी रखते लेकिन यह उनका निजी फैसला है।

भारतीय क्रिकेट को महेंद्र सिंह धोनी ने जिस मुकाम पर पहुंचाया है वो कोई और नहीं कर सकता!! 'माही जैसा कोई नहीं'

मुंबई। धोनी एक नाम नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट की पहचान हैं। ये वो नाम है जिससे लोग न केवल प्यार करते हैं बल्कि लोगों के इमोशंस धोनी से जुड़े हुए हैं। महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़ दी है और अपनी जिम्मेदारी रविंद्र जडेजा को सौंप दी है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की 12 सत्र तक अगुवाई करने के बाद आईपीएल 2022 के शुरू होने से दो दिन पहले उन्होंने इस बात की घोषणा करते अपने फैंस का दिल तोड़ दिया है। जैसे ही माही के कप्तानी छोड़ने की खबरे आयी उनका नाम सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। सब अपने चहेते क्रिकेट से नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। फैंस नहीं चाहते कि माही सीएसके की कप्तानी छोड़े। माही ने भारतीय क्रिकेट में वो कारनामें करके दिखाएं हैं जिसकी किसी ने कभी उम्मीद नहीं की थी। माही ने भारतीय क्रिकेट को विश्व स्तर पर एक अलग पहचान दिलाई हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की 12 सत्र तक अगुवाई करने, उसे चार खिताब दिलाने और पांच बार उप विजेता बनाने के बाद दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी ने शनिवार से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले इस फ्रेंचाइजी की कप्तानी अपने विश्वसनीय रविंद्र जडेजा को सौंप दी। सीएसके ने अपने संक्षिप्त बयान में कहा कि 40 वर्षीय धोनी इस सत्र में और आगे भी फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। धोनी 2008 में टूनामेंट की शुरूआत से ही सीएसके के कप्तान रहे। इस बीच केवल दो साल उन्होंने सीएसके की अगुवाई नहीं की क्योंकि तब स्पॉट फिक्सिंग मामले के कारण टीम पर दो साल का प्रतिबंध लगा था। सीएसके ने यहां जारी बयान में कहा, ह्यह्यमहेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी किसी अन्य खिलाड़ी को सौंपने का फैसला किया है और उन्होंने टीम का नेतृत्व करने के लिए रविंद्र जडेजा को चुना है। जडेजा 2012 से चेन्नई सुपर किंग्स का अभिन्न अंग रहे हैं और वह सीएसके का नेतृत्व करने वाले केवल तीसरे खिलाड़ी होंगे।

महिला विश्व कप: विंडीज के खिलाफ मुकाबला बारिश के कारण रद्द, दोनों टीमों को मिले एक-एक अंक

सेमीफाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम

वेलिंगटन। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाने वाला लीग मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद मौजूदा 2022 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई।

दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला, जिसके साथ दक्षिण अफ्रीका के अब नौ अंक हो गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के सात अंक हैं। वेस्टइंडीज के पास भी हालांकि अभी नॉकआउट चरण में प्रवेश करने का मौका है, लेकिन वह तभी क्वॉलीफाई कर पाएगा, जब इंग्लैंड या भारत में से कोई एक टीम अपना आखिरी लीग मैच हारती है। इंग्लैंड का आखिरी मैच बंगलादेश, जबकि भारत का दक्षिण अफ्रीका के साथ होना है। बारिश से पहले 10.5 ओवर तक खेल हुआ, जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने मिग्नॉन डू प्रीज के 31 गेंदों पर 38 रन की बदौलत चार विकेट पर 61 रन बनाए। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से चिनले हेनरी ने पांच ओवर में 19 रन पर सर्वाधिक तीन विकेट लिए। इसके बाद बारिश आ गई और मैच बेनतीजा रहा।

पाक पर जीत से इंग्लैंड की प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

क्राइस्टचर्च। कैथरीन ब्रंट (17 रन पर तीन विकेट) और सोफी एक्लेस्टोन (18 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी और फिर डेनिएल व्याट (76) के शानदार अर्धशतक की बदौलत इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को नौ विकेट से एकतरफा अंदाज में हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद को बरकरार रखा है, जबकि पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। गत विजेता इंग्लैंड ने टॉस जीत कर गेंदबाजी चुनी और घातक गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान को 41.3 ओवर में महज 105 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज डेनिएल व्याट के शानदार अर्धशतक से 19.2 ओवर में ही एक विकेट पर 107 रन बना कर मैच जीत लिया।

भारत के लिए सेमीफाइनल की राह मुश्किल

महिला विश्व कप में भारत के लिए सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की बड़ी जीत और दक्षिण अफ्रीका-वेस्टइंडीज के बीच मैच रद्द होने से भारत अब मुश्किलों फंसता दिख रहा है। अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए भारत को हर हाल में अपना आखिरी मैच जीतना होगा। अगर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को हार का सामना करना पड़ता है, तो भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो जाएंगी। वही यह मुश्किल मैच जीतने पर टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम बन सकती है। ऑस्ट्रेलिया के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है और बाकी दो स्थानों के लिए भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच मुकाबला है। इंग्लैंड और भारत के जीतने पर ये दोनों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगी। वहीं इन दोनों में से किसी एक के हारने पर वेस्टइंडीज की टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। अगर भारतीय टीम अपने आखिरी लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है तो भारत के आठ अंक हो जाएंगे और यह टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हारने पर भारत को चमत्कार की उम्मीद करनी होगी।

फाइलेरिया के नाइट ब्लड सर्वे के तहत 508 लोगों के ब्लड का भेजा गया सैंपल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले को फाइलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नाइट ब्लड सैंपल सर्वे किया जा रहा है। इस रोग से ग्रषित मरीजों की खोज के लिये रात्रि के समय व्यक्ति के खून के नमूने एकत्रित किए जा रहे हैं। खून जांच में फाइलेरिया पॉजिटिव पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग उन्हें निःशुल्क दवा और इलाज करायेगा। इसी के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहमदाबाद में करीब 508 व्यक्तियों का फाइलेरिया ब्लड लिया गया जिसे उच्च जांच के लिए भेजा गया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आशीष राय ने बताया कि फाईलेरिया नाईट सर्वे हेतु राज्य स्तर से चयनित ग्राम तिवारीपुर मे कुल 500 लोगो का फाईलेरिया ब्लड सैम्पल हेतु लक्ष्य दिया गया था। जिसके सापेक्ष मुहम्मदाबाद में 3 दिनों में रात्रि काल मे कुल 508 लोगो का ब्लड सैम्पलिंग कर उच्च लैब जाँच हेतु भेजा गया। इस कार्य के लिए स्थानीय ग्राम प्रधान, क्षेत्रीय आशा के सहयोग से लिया गया। जाँच शुरू करने से पहले क्षेत्रिय लोगो के साथ बैठक कर उन्हें इस जाँच प्रक्रिया के

बारे मे पूर्णतः समझाया एवं बताया गया। जिससे रात्रि सैमपलिग मे क्षेत्रीय लोगो का आपेक्षित सहयोग प्राप्त हो। इस दौरान बैठक कर यह भी बताया गया कि नाइट ब्लड सर्वे क्यों जरूरी है तथा यह किस लिए होता है। बताया गया की नाइट ब्लड का सर्वे फाइलेरिया की जांच के लिए किया जाता है। क्योंकि फाइलेरिया का परजीवी मानव शरीर की रक्त में उपस्थित होकर पलता व बढ़ता है। यह मच्छरों के द्वारा काटे जाने पर उत्पन्न होने वाला रोग है। रात्रि में इसकी जांच का कारण यह है कि दिन के समय में यह लिंक में रहता है एवं रात्रि के मध्य यह रक्त वाहिकाओं में आता है। इसलिए जांच रात में ही संभव है। इस रोग के लक्षण के बारे में बताया गया कि फाइलेरिया लाइलाज है। यदि ज्यादा दिनों तक बुखार रहे, पुरुष के जननांग में या महिलाओं के स्तन में दर्द या सूजन रहे और खुजली हो, हाथ-पैर में भी सूजन या दर्द रहे तो यह फाइलेरिया होने के लक्षण हैं। तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर उपचार शुरू करवाना सुनिश्चित करवाएं। फाइलेरिया से संक्रमित हो जाने पर लंबे समय तक इलाज चलने और दवा की खुराक पूरी करने पर रोगी सामान्य जीवन जी सकता है। दवाई की खुराक पूरी नहीं करने पर यह रोग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए नुकसानदायक है। इसलिए सभी सरकारी चिकित्सा केन्द्रों पर डीईसी दवा निशुल्क उपलब्ध है जिसे 5 सालों तक साल में एक बार लेना आवश्यक है। इस जांच टीम में चंदन राम एल टी, हेमवंता पाडेय एएनएम, आदर्श कुमार बीएचडब्ल्यू, बबलू यादव वार्ड बॉय बीपीएम संजीव कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शांति भंग की आशंका में 14 धराए

मऊ। गुरूवार को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा बुधई, विजयशंकर, महेन्द्र निवासीगण असलपुर थाना चिरैयाकोट, थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा रामअशीष निवासी पटजीवा थाना दोहरीघाट, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा न्याजअहमद निवासी रधुनाथपुरा, सैयद उमर निवासी महमूदपुरा, शाकिब निवासी मदनपुरा थाना कोतवाली, थाना मधुबन पुलिस द्वारा रवि यादव, दीपक, शिवनारायण निवासीगण गंगउपुर, निखिल गुप्ता निवासी कस्बा मधुबन, श्रवण, बृजभान निवासीगण नौवाडीह थाना मधुबन, थाना रानीपुर पुलिस द्वारा दीपक चैहान निवासी कुसउ थाना रानीपुर जनपद मऊ को अन्तर्गत धारा 151 सीआरपीसी गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। गुरूवार को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान सहादतपुरा से मु0अ0सं0 132/22 धारा 386,354क1(4),506 भादवि0 व धारा 7/8 पोक्सों एक्ट में वांछित अभियुक्त बैभव पाण्डेय पुत्र बृजेश पाण्डेय, शशांक राय पुत्र प्रदीप राय निवासीगण सहादतपुरा थाना कोतवाली जनपद मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

25 करोड़ रोड टैक्स बकाया, वसूली बनी चुनौती

आजमगढ़। वाहनों पर बकाया रोड टैक्स वसूलना संभागीय परिवहन विभाग के लिए चुनौती बनी हुई है। 31 मार्च तक टैक्स नहीं जमा करने वालों के खिलाफ आरसी जारी की जाएगी। इसके लिए विभाग तैयारी में जुट गया है। जिले में वाहनों पर बीते दस वर्षों में करीब 25 करोड़ रुपये बकाया है। फिलहाल विभाग रोड टैक्स जमा करने के लिए वाहन स्वामियों पर लगातार दबाव बना रहा है। इसके बाद भी जितना राजस्व चाहिए, नहीं आ रहा है। विभाग 25 हजार रुपये से अधिक के रोड टैक्स बकाया वाहन स्वामियों से संपर्क करने में जुटा हुआ है। जमा करने वालों को ब्याज में छूट भी दिया जा रहा है। एआरटीओ प्रशासन सत्येंद्र कुमार ने बताया कि ब्याज में छूट की सुविधा 31 मार्च तक ही मिलेगी।

दूसरे के नाम पर परीक्षा दे रहा मुन्ना भाई गिरफ्तार

घोसी, मऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा गुरुवार से शुरू हुई। प्रशासनिक अमले ने नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी। पूर्व की कई परीक्षाओं के पेपर लीक होने की वजह से एसटीएफ भी इन परीक्षाओं पर सीधे नजर बनाये हुए हैं लेकिन नकल माफिया भी प्रशासन को तू डाल डाल तो मैं पात पात वाली कहावत चरितार्थ करते हुए अपनी कारगुजारी में लगे हुए हैं। बताते चलें कि गुरुवार की सुबह से माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा शुरू हुई। प्रातः कालीन परीक्षा में हाईस्कूल की हिंदी विषय की परीक्षा चल रही थी। इसी क्रम में घोसी तहसील क्षेत्र के नेशनल इंटर कालेज नदवासराय में दूसरे के नाम पर परीक्षा दे रहा एक मुन्ना भाई को केंद्र व्यवस्थापक ने पुलिस के हवाले कर दिया। प्रातः कालीन परीक्षा शुरू होने के बाद नेशनल इंटर कालेज नदवासराय में एक कमरे में कक्ष निरीक्षक रवींद्रनाथ सिंह प्रवेश पत्र व आधार कार्ड का मिलान कर रहे थे तो प्रवेश पत्र में प्रदीप सोनकर व आधार कार्ड में संदीप सोनकर पाया गया। जांच पड़ताल में पाया गया कि दोहरीघाट के परिखापुर निवासी संदीप सोनकर अपने भाई प्रदीप सोनकर के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। सूचना पाकर केंद्र व्यवस्थापक जफीर अहमद खान ने दूसरे के नाम पर परीक्षा दे रहे उक्त मुन्ना भाई को घोसी कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। जिस पर कोतवाली पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय किया।

संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान के तहत अंर्तविभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार अध्यक्षता में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की प्रथम जनपद स्तरीय अंर्तविभागीय समन्वय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 02 अप्रैल से 30 अप्रैल 2022 तक एवं दस्तक अभियान 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2022 तक चलेगा। जिलाधिकारी ने ग्राम्य विकास एवं पंचायत राज विभाग को निर्देश दिए कि जनपद के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में नालियों की साफ-सफाई, जलभराव का निदान, झाड़ियों की कटाई आदि तत्काल संपन्न करा लें, जिससे संक्रामक रोगों से बचाव हो सके। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि पोस्टर एवं पंपलेट के माध्यम से संचारी रोगों के विषय में निरंतर जागरूकता फैलाएं। आशा एवं

एएनएम के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायतों में डोर टू डोर सर्वे कराकर संचारी रोगों की जांच कर उससे संबंधित मेडिसिन किट उपलब्ध कराएं। आशा एवं एएनएम के माध्यम से ही लोगों को संचारी रोगो के कारण एवं उनसे बचाव हेतु किये जाने वाले उपायों के बारे में भी जागरूकता फैलाएं। उन्होंने समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई एवं फागिंग का कार्य कार्य कराये, साथ ही असुरक्षित जल स्त्रोतों का चिन्हीकरण कर स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि नामित नोडल अध्यापकों के माध्यम से छात्रों को संचारी रोगों, पर्यावरणीय एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जागरूक करे, तथा छात्रों द्वारा प्रभात फेरी निकलवा कर लोगों को संचारी रोगों के कारणों एवं उससे बचाव के उपायों के बारे में जागरूकता फैलाएं। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान दस्तक अभियान के तहत आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं को घर-घर भ्रमण कर विभिन्न रोगों के नियंत्रण एवं उपचार की जानकारी प्रदान करने हेतु प्रचार-प्रसार करने एवं इस अभियान के अंतर्गत कुपोषित बच्चों तथा विभिन्न रोगों के लक्षण युक्त व्यक्तियों का चिन्हिकरण कर सूचीबद्ध किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राम सिंह वर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अजय कुमार गौतम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एसएन दुबे, जिला चिकित्सा अधीक्षक डॉ बृज कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड की परीक्षा के दौरान डीएम-एसपी का केंद्रों पर औचक निरीक्षण

आजमगढ़। आज से प्रारंभ हुई उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा को सफलतापूर्वक एवं शुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी अमृत त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने मॉ जागेश्वरी उ0मा0विद्यालय शाहगढ़ (वित्तविहीन विद्यालय), इंटरमीडिएट कॉलेज सठियांव (एडेड विद्यालय), शिब्ली नेशनल इंटर कॉलेज का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रां पर मोबाइल फोन प्रतिबंधित होने के बावजूद मां जागेश्वरी देवी उ0मा0 विद्यालय शाहगढ़ (वित्तविहीन विद्यालय) में दो लोगों के पास मोबाइल फोन पाया गया, जिसमें स्कूल प्रबंधक के पुत्र एवं उनके वाहन चालक के पास मोबाइल फोन पाया गया। जिलाधिकारी ने दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इंटरमीडिएट कॉलेज सठियांव (एडेड विद्यालय) के निरीक्षण के दौरान कक्ष निरीक्षक गुफरान साजिद सहायक अध्यापक प्रा0पा0 रामपुर विकासखंड अजमतगढ़ अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा कक्ष के अलावा खाली पड़े अन्य कमरों को सील कराना

सुनिश्चित करें। उन्होने बताया कि जनपद में सुचारू रूप से उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो गई है और सभी जगहों पर समय से सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट पहुंच गए हैं, सबकी लोकेशन ले ली गई है एवं सभी सेंटरों पर सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील करा दिए गए हैं।

उन्होने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी कैमरे जुड़े हुए हैं, जिससे परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ परीक्षा केंद्रों पर इंटरनेट सही नहीं होने के कारण उनसे नहीं जुड़ पा रहे हैं, लेकिन स्टैटिक मजिस्ट्रेट की सूचना के बाद शत प्रतिशत कैमरे सक्रीय कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को नियम तोड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बहुत ही अच्छी तरीके से परीक्षाएं चल रही है, सभी व्यवस्थाएं ठीक हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी परीक्षा केंद्र पर किसी भी प्रकार की दखलंदाजी नहीं है और सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से परीक्षा की शुचिता बनाए हुए हैं। यदि कहीं सीसीटीवी कैमरे या किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो पुलिस के अधिकारी निरंतर तत्परता से उसको चेक कर रहे हैं। उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, पूरी सुचिता से परीक्षा संपन्न कराई जाएगी।

देसी तमंचा, कारतूस, चार पहिया वाहन व तीन गोवंश के साथ एक अभियुक्त पुलिस गिरफ्त में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना गहमर पुलिस द्वारा 1 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार कर 3 राशि बछड़ा व एक टाटा सूमो वाहन व एक अदद देशी तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवम् अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा गोवंश तस्करी के रोकथाम के तहत प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी लाल सेन थाना गहमर के कुशल नेतृत्व मे उ.नि. अशोक कुमार तिवारी मय हमराह के देखभाल क्षेत्र मे मामूर थे कि जरिये मुखबिर की सूचना पर महाबीर मन्दिर महना मोड के पास वहद ग्राम भदौरा थाना गहमर से अभियुक्त सद्दाम हुसैन पुत्र अब्दुल कलाम निवासी उसिया थाना दिलदारनगर के द्वारा एक टाटा सूमो वाहन के अन्दर छिपाकर 3 राशि बछड़ा को बेचने के लिए बिहार ले जाते समय गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अदद देशी तमंचा 12 बोर, एक अदद जिन्दा कारतुस 12 बोर बरामद हुआ।

शिक्षा विभाग की लाइब्रेरी का शक्ति सिंह ने किया उद्घाटन

मऊ। किसी भी देश और समाज के विकास के लिए युवाओं की शिक्षा का विशेष योगदान होता है, मैंने मऊ के युवाओं से लाइब्रेरी का वादा किया था मैने कोशिश की शिक्षा विभाग की वर्षो से बंद पड़ी लाइब्रेरी खुलवाने की जिला अधिकारी, शिक्षा निदेशक से लेकर सचिवालय स्तर तक वाताओं का दौर चला और आज मेरे प्रयासों को सफलता मिली है। आज कई वर्षों से बंद पड़ी शिक्षा विभाग की लाइब्रेरी

का ताला अन्ततः खुल गया। यह कहना है भाजपा युवा मोर्चा के बंगाल प्रभारी शाक्ति सिंह का। जिन्होने गुरूवार को शिक्षा विभाग की लाइब्रेरी का जो वर्षो से बंद पड़ी हुई थी उसका शुभारम्भ किया। उन्होने कहा कि अब मऊ के युवा लाइब्रेरी में जाकर पढ़ सकते हैं मेरी आगे भी कोशिश रहेगी कि कुछ ऐसे प्रयास किये जायें जिससे मऊ के विकास को तेजी मिले तथा युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार की सहुलियत मिल सके। इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संगठन मंत्री मनीष राय, जिला संगठन मंत्री अनूप, भाजयुमो मीडिया प्रभारी आशुतोष आदि भी मौजूद रहे।

महिलाओं ने पुलिस पर लगाया बेरहमी से पीटने का आरोप, सपा ने वीडियो शेयर कर सरकार पर बोला हमला

प्रखर जौनपुर। जिले में देवरिया गांव की कुछ महिलाओं ने पुलिस पर निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटने आरोप लगाया है। साथ ही जिला मुख्यालय आकर एसपी कार्यालय में इसकी शिकायत की है। महिलाओं की मांग है कि बेरहमी से मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मामले को लेकर समाजवादी पार्टी और भीम आर्मी ने सरकार को घेरा है। सपा ने एक वीडियो ट्वीट किया है जिसमें महिलाएं अपने कपड़े उठाकर तन पर लगे चोट के निशान को दिखा रही हैं। वहीं, भीम आर्मी के कुछ सदस्य शुक्रवार को देवरिया गांव में गए घटना के संबंध में जानकारी ली। इधर, पुलिस इस मामले को गलत बता रही है। 20 मार्च को पीआरवी टीम पर बोला था धावा पुलिस अधिकारियों का कहना है कि थाने में महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता या

मारपीट नहीं हुई है। फिलहाल, गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के देवरिया गांव में बीते 20 मार्च को जियालाल गौतम व जियावन गौतम के बीच केले के फल को काट लेने की घटना पर पहुंची पुलिस की पीआरवी टीम पर राम जियावन पक्ष के लोगों ने धावा बोल दिया था। जिसमें हेड कांस्टेबल राजेश यादव व चालक राजबिहारी को चोटें आई थी। पुलिस ने जियालाल की पुत्री राधा तथा हेड कांस्टेबल राजेश की तहरीर पर आठ लोगों पर केस दर्ज किया था। मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। इधर, जमानत मिलने के बाद सभी लोग जेल से बाहर आ गए। इसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं एसपी कार्यालय पहुंची। जहां शिकायती पत्र देकर आरोप लगाई कि पुलिस ने विपक्षियों के साथ मिलकर उन्हीं के ऊपर मुकदमा दर्ज कर दिया। पुलिस ने तो क्रूरता से महिलाओं और नाबालिग बच्चों के साथ मारपीट भी की। महिलाओं का आरोप है कि पुलिस ने इतनी बेरहमी से मारपीट की है कि चमड़ी का रंग काला हो गया। आरोप है कि पुलिस ने न तो उनका मेडिकल कराया और न ही उनकी एक बात सुनी। उल्टा, केले के पेड़ काटने के मामले में थाने पर बुलाकर बेल्ट के पट्टे और डंडे से मारपीट की। महिला के अनुसार, मामला अंबेडकर मूर्ति के चबूतरे से संबंधित है।

पुलिस बोली- महिलाओं की पिटाई की बात पूरी तरह झूठ

महिलाओं ने पुलिस पर लगाया पीटने का आरोप बस्ती के लोगों ने बाबा अंबेडकर की मूर्ति पास में स्थापित की है। इस कारण से गांव के कुछ लोग उनसे रंजिश रखने लगे। जो पुलिस के साथ मिलकर गाली दिए और अभद्रता भी की। दूसरी ओर सीओ बदलापुर अशोक सिंह ने वीडियो जारी कर बताया कि पुलिस द्वारा महिलाओं की पिटाई की बात पूरी तरह झूठ व निराधार है, क्योंकि चालान न्यायालय भेजते समय स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है। यदि पिटाई हुई होती तो चोट की बात रिपोर्ट में आती। वायरल वीडियो पूरी तरह से मनगढ़ंत और फर्जी है।

दलितों पर अत्याचार में नंबर 1 भाजपा शासित उत्तर प्रदेश

महिलाओं के पिटाई के बाद जख्म दिखाने से जुड़ा वायरल वीडियो समाजवादी पार्टी ने शेयर किया है। साथ ही पोस्ट में लिखा है कि 'दलितों पर अत्याचार में नंबर 1 भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में एक और शर्मसार कर देने वाली पुलिसिया करतूत आई सामने। जौनपुर के बदलापुर में पुलिस द्वारा दलित महिलाओं की बर्बर पिटाई विचलित कर देने वाली घटना है। मामले में दोषी पुलिसकर्मियों पर हो सख्त कार्रवाई, पीड़ितों को मिले न्याय।' वहीं इसी पोस्ट पर ही सीओ की ओर से महिलाओं के आरोपी होने और उनका मेडिकल कराए जाने के साथ ही उनपर आपराधिक मामला होने की जानकारी का वीडियो पोस्ट किया है। वहीं इसी पोस्ट पर जौनपुर पुलिस ने भी कार्रवाई की जानकारी साझा की है।

संक्षिप्त खबरें

सिंधोरा पुलिस ने साढ़े तीन किलो गांजे के साथ को दो को किया गिरफ्तार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा पुलिस ने गुरुवार को रात 8 बजे साढ़े 3 किलो अबैध गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम सूचना के आधार पर कस्बा सिंधोरा स्थित मछली मण्डी के पास से संजय राजभर निवासी ग्राम रतनूपुर तथा राजेन्द्र राजभर निवासी ग्राम विशुनपुर (रतनूपुर) दोनों थाना चन्दवक जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी के बाद उनके कब्जे से 3 किलो 500 ग्राम अवैध गाँजा बरामद किया गया । उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी पर पुलिस द्वारा धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। उक्त अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के एक्ट के तहत चन्दवक थाने में भी मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह, उ0नि0 बरदानी लाल, हे0का0 माधवानंद सिंह, का0 विशाल कुमार यादव, का0 रणजीत पासवान, का0 सुनील कुमार शामिल रहे।

योगी के शपथ लेते ही झूमे कार्यकर्त्ता

प्रखर केराकत जौनपुर । योगी आदित्यनाथ के प्रदेश का दोबारा मुख्यमंत्री बनने पर बीजेपी कार्यकर्त्ता खुशी से झूम उठे। नई बाजार में बीजेपी कार्यकताओं और समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर जश्न मनाया। इस मौके पर नरेन्द्र प्रताप सिंह, पंडित रवि दूबे दादा, अशोक पांडे, संजय दूबे, सत्यनारायण विश्वकर्मा, पंकज दूबे गुड लक, श्रीकांत दूबे, अनुराग दूबे, संदीप दूबे, मलखान सिंह, भीम यादव, बहादुर यादव, बबलू खैरवार आदि रहे। इसी क्रम में थानागद्दी बाजार में बृजेश सिंह, रमेश सिंह सैनिक, ओमकार सिंह, ओमप्रकाश सिंह, माधवानंद शुक्ला, रामजानकी सिंह राजू, राजेंद्र शर्मा, सुनील शर्मा, नीरज सिंह आदि ने बैंड बाजा के साथ मिठाईयां बांटकर खुशी का इजहार किया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नंदगंज थाना क्षेत्र के मुस्लिमपुर गांव के पास शुक्रवार को सुबह तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नंदगंज थाना क्षेत्र के बड़हरा गांव निवासी राममूरत चौहान का पुत्र शिवशंकर चौहान (39) आज दिन शुक्रवार की सुबह बाइक से मुस्लिमपुर में बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान के लिए घर से निकला था। इसी दौरान सुबह करीब दस बजे अभी वह दुकान के पास ही पहुंचा था कि वाराणसी की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दिया, जिससे शिवशंकर की मौके पर ही मौत हो गई। चालक कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। लोगों ने दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के साथ ही कार को कब्जे में ले लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के पिता राममूरत चौहान की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

102 एंबुलेंस लगातार बनती जा रही है लेबर रूम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा आम जन के लिए निशुल्क रुप से दी गई एंबुलेंस सेवा लोगों के जीवन हितकारी साबित होता दिख रहा है। जैसा कि पूर्व में कई बार डॉक्टर और इलाज के अभाव में प्रसव पीड़ा से पीड़ित गर्भवती सड़कों के किनारे या अन्न स्थानों पर बच्चों को जन्म दे दिया करती थी। लेकिन 102 और 108 एंबुलेंस की सेवा प्रदान हो जाने के बाद अब गर्भवती का प्रसव स्वास्थ्य केंद्र में या फिर प्रसव पीड़ा बढ़ने पर एंबुलेंस में कराए जाने हेतु ईएमटी को पूर्व से प्रशिक्षित किया गया है। कुछ ऐसा ही देखने को मिला 23 मार्च दिन बुधवार को जब 102 एंबुलेंस के लिए मर्दानपुर ब्लॉक मनिहारी से फोन किया गया। कुछ मिनट के बाद 102 एम्बुलेंस बताए गए लोकेशन पर पहुंची और जब स्वास्थ्य केंद्र के लिए लेकर चली, रास्ते में ही प्रसव पीड़ा बढ़ जाने के कारण एंबुलेंस के अंदर ही प्रसव कराना पड़ा। 102 एंबुलेंस के ब्लॉक प्रभारी दीपक राय ने बताया कि मर्दानपुर ग्राम सभा से 102 एंबुलेंस के लिए काल आया और बताया गया कि शांति देवी पत्नी रामू राम निवासी मर्दानपुर जिसे प्रसव पीड़ा बढ़ गया है, इसकी जानकारी दी गई और जानकारी होते ही पायलट कन्हैया यादव और उस में तैनात ईएमटी संतोष यादव मौके के लिए रवाना हुए। करीब 15 मिनट में ही उक्त लोकेशन पर पहुंचे और जब वह गर्भवती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिहारी के लिए लेकर चले, लेकिन रास्ते में ही प्रसव पीड़ा बढ़ जाने के कारण ईएमटी संतोष यादव के द्वारा एंबुलेंस के अंदर ही प्रसव कराना पड़ा। प्रसव पश्चात जच्चा और बच्चा को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर डाक्टरों ने जच्चा और बच्चा को स्वस्थ बतलाया। एंबुलेंस के अंदर प्रसव हो जाने पर पहले तो परिवार वाले काफी भयभीत नजर आए। लेकिन जब वह स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और डॉक्टर ने जच्चा और बच्चा को देखा और बताया कि दोनों स्वस्थ हैं। तब परिजनों ने भी खुशी की लहर दौड़ी और उन लोगों ने पायलट और ईएमटी को धन्यवाद भी दिया।

भाजपा विधान परिषद के चुनाव में धनबल, बाहुबल एवं सत्ता का दुरूपयोग कर अपनी जीत दर्ज कराना चाहती है : सपा प्रतिनिधिमंडल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष रामधारी यादव के नेतृत्व में आज दिन गुरुवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मिलकर स्थानीय प्राधिकारी के विधान परिषद के चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी पूर्ण तरीके से चुनाव कराने की मांग किया। प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से वार्ता करते हुए कहा कि भाजपा सरकार दबाव बनाकर, एवं भयाक्रांत तथा आतंकित कर तथा बर्बाद एवं तबाह करने की धमकी देकर समाजवादी पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार भोलानाथ शुक्ल का नामांकन पत्र वापस करा दिया तथा पार्टी के समर्थित उम्मीदवार मदन सिंह यादव को भी भयाक्रांत एवं आतंकित कर तथा उन्हें तबाह एवं बर्बाद करने की धमकी देकर उनका भी नामांकन वापस कराने का अलोकतांत्रिक एवं घटिया प्रयास भी आज भारतीय जनता पार्टी कर रही थी। बीती रात मदन सिंह यादव की तलाश में सांसद अफजाल अंसारी एवं विधायक मन्नू अंसारी के घर पर छापा डाला गया है तथा जमानियां विधायक

ओमप्रकाश सिंह और विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव को फोन पर धमकी दी गयी। इसके साथ जमानियां एस.डी.एम बुलडोजर लेकर मदन सिंह यादव का घर गिराने की धमकी भी दे रहे है जो पूर्णतया अलोकतांत्रिक एवं गैरकानूनी कदम है। विधानसभा के चुनाव में जनपद में जनता की अदालत में हार चुकी भाजपा विधान परिषद के चुनाव में धनबल, बाहुबल एवं सत्ता का दुरूपयोग कर अपनी जीत दर्ज कराना चाहती है। भाजपा का लोकतंत्र, संविधान और जनता पर भरोसा नहीं रह गया है। वह तानाशाही के रास्ते पर है। विधानसभा के चुनाव में सातों सीट खोकर भाजपा पूरी तरह से हताश और निराश हैं। इस चुनाव में भी वह अपनी पराजय नजदीक देख इस तरीके के नापाक हथकंडे अपना रही है। यदि भाजपा अपने इस नापाक मुहिम में कामयाब हो गयी तो लोगों का भरोसा चुनाव आयोग पर से पूरी तरह से उठ जायेगा। चुनाव आयोग जैसी संस्था की मयार्दा कायम रहे इसके लिए निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव सम्पन्न होना आवश्यक है। समाजवादी पार्टी संघर्षों की कोख से पैदा हुई है, समाजवादी पार्टी हमेशा भाजपा के नापाक मंसूबों को किसी भी कीमत पर पूरा नहीं होने देगी। लोकतंत्र की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा।

प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष रामधारी यादव,ओम प्रकाश सिंह, डॉ. वीरेंद्र यादव, मन्नू अंसारी, जै किशन साहू, बेदी राम, ओपी भारती, राजेश कुशवाहा, डॉ. नन्हकू यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, सत्या यादव, मुन्नन यादव, दिनेश यादव, बलिराम पटेल, रामाधार यादव, आशा यादव, डॉ. सीमा यादव, विभा पटेल, तहसीन अहमद, अभिनव सिंह, भानु यादव, कमलेश यादव, छोटे लाल यादव आदि शामिल थे।

अप्राकृतिक दुष्कर्म का आरोपी हुआ गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता के दिशानिर्देश पर चलायें जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान के क्रम में आज दिनांक 25/03/2022 को वादिनी गुंजा पत्नी अर्जुन निवासी लक्ष्मीपुर खुर्द , थाना ठूठीबारी , जनपद महराजगंज के लिखित सूचना दिया कि दिनांक 24/03/2022 समय शाम 19.30 बजे शहीद पुत्र हसनअली निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर खुर्द , थाना- ठुठीबारी , जनपद- महराजगंज के द्वारा मेरे लड़के (पीड़ित) उम्र करीब 10 वर्ष के साथ अप्राकृतिक कुकर्म करने का प्रयास किया । जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु 0 अ 0 सं 0 44/2022 धारा 377/511 भादवि व 3/4 पाक्सो एक्ट बनाम शहीद पुत्र हसन अली निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर खुर्द , थाना ठुठीबारी , जनपद- महराजगंज पंजीकृत किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वाँछित अभियुक्त को दिनांक 25.03.2022 समय करीब 13.00 बजे , लालपुर मोड़ फार्म के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त को अग्रिम कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय रवाना किया गया ।नाम व पता अभियुक्त - 1. शहीद पुत्र हसनअली निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर खुर्द , थाना ठुठीबारी , जनपद महराजगंज उम्र करीब 52 वर्ष । गिरफ्तारी करने वाले टीम- 1. उ 0 नि 0 विजय कुमार द्विवेदी थाना ठूठीबारी , जनपद- महराजगंज । 2. का 0 दिलीप कुमार गौड़ थाना ठूठीबारी जनपद महराजगंज । 3. म 0 का 0 पूजा पटेल थाना ठूठीबारी जनपद महराजगंज।

सरकार हुई निष्ठुर, महंगाई से जनता परेशान

आप वाराणसी के महिला कार्यकताओं ने बेतहासा मुल्य बृद्धि के खिलाफ किया प्रदर्शन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आम आदमी पार्टी, वाराणसी महिला विंग के कार्यकर्ताओ ने भोजूबीर सरसोली में महंगाई के विरोध में धरना प्रदर्शन किया और सरकार से मांग की बेतहाशा मूल्यवृद्धि पर तुरंत नियंत्रण किया जाए बढे हुए पेट्रोल, डीजल ,घरेलू गैस ,दूध, की कीमतों को वापस करे सरकार ताकि जनता को राहत मिल सके , पिछले 2 वर्षों में कोरोना महामारी से लोग आर्थिक रूप से परेशान है सत्ता धारी निर्दयी होते जा रहा है जनता कराह रही है,बेतहासा बढ़ती हुई कीमतों पर कोई सुनने वाला नहीं है जिलाअध्यक्ष महिला विंग शारदा टंडन, के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचालन

किया गया` बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। महिला विंग प्रदेश सचिव रेखा जैसवाल, जिला अध्यक्ष कैलाश पटेल , जिला मीडिया प्रभारी घनश्याम पांडे, गुलाब सिंह राठौर, अनीता यादव, अर्चना श्रीवास्तव, बृजेश गोलू, बनारसी पटेल ,अनुराग अग्रवाल, रोशन वारसी, मनोज सिंह, पियूष श्रीवास्तव, आशीष पटेल, आदि का रहा।

एक पखवाड़े बाद भी नही हुई जलापूर्ति बहाल, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के थानारामपुर स्थित पेयजल नलकूप से गत 15 दिनों से जलापूर्ति ठप होने से नाराज ग्रामीण उपभोक्ताओं ने जलनिगम के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश जताया और धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी।

बताते हैं कि दो हफ्ते पूर्व शनिवार से मोटर में आई खराबी के कारण ठप पड़े जलापूर्ति को चालू कराने के लिए जलनिगम के अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय विधायक के प्रतिनिधियों को ग्रामीणों ने सूचना दिया। लेकिन 14 दिन बाद भी न तो मोटर बना न ही जलापूर्ति बहाल हुई। यही नहीं सम्बंधित ए ई व जेई के साथ ठीकेदार ने मोबाइल

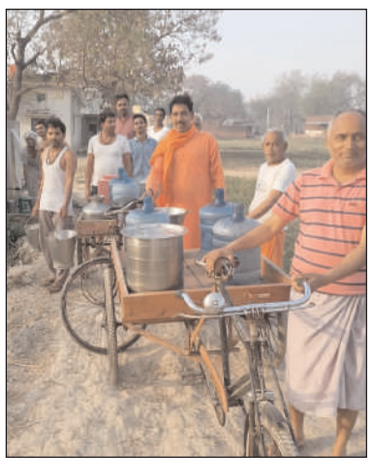

बन्द रहा। बताते हैं कि एक हफ्ते पूर्व मोटर भी लेकर गए लेकिन वापस नही लौटे। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने अधिकारियों के प्रति आक्रोश दिखा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि अबिलम्ब जलापूर्ति बहाल नही हुई तो ग्रामीण धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। बताते चलें कि ग्रामीणों के मुताबिक मोटर ठीक करने के नाम पर उखाड़ ले गये लेकिन एक हफ्ते बाद भी नही लौटे। ग्रामीण डॉ शशिकांत सिंह, गिरीश सिंह, संजय सिंह, छेदी पांडेय, दिनेश पांडेय विवेक गुप्ता, निशल गुप्ता ने कहाकि भीषण गर्मी में हजारों लोग शुद्ध पेयजल के लिए परेशान है लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। हैण्डपम्पों और समरसेबल पम्पों से पानी के लिए लाइन लगाने को मजबूर हैं। वही इस बाबत अधिशासी अभियंता ने बताया कि शनिवार तक मोटर लगा दी जाएगी।

विद्यालय प्रबन्ध समिति की एक दिवसीय संगोष्ठी सम्पन्न

प्रखर संत कबीरनगर। ब्लांक संसाधन केन्द्र एक दिवसीय संगोष्ठी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे विद्यालय प्रबन्ध समिति के ग्राम प्रधान,सचिव और अध्यापकों ने भाग लिया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य, विद्यालय पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रहे। विकासखंड बेलहर कला के खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सभागार में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने, मां स्वरसती, के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर फूल माला चढाय़ा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने उपस्थित अध्यापक, ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष, सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यालय एक मन्दिर है यहां आने वाले बच्चे सबके है। आप लोग शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए एक दूसरे का सहयोग करें। और विकास के पथ पर विद्यालय को ले जाने का काम करें। कार्यक्रम को खंड शिक्षा अधिकारी ,और खंड विकास अधिकारी ने भी उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, दिनेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी जनार्दन यादव , विकास खण्ड अधिकारी, बिनोद मणि त्रिपाठी , ओमकार मिश्रा , उमाकांत ,रनजीत पाण्डेय , विकास कुमार, आदि लोग उपस्थित रहे।

ऑपरेशन चीयर्स के तहत जिले के 339 लोगों के विरुद्ध हुई विधिक कार्यवाही

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। शांति व्यवस्था कायम रखने हेतु पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता के निर्देश पर दिनांक 23.03.2022 को ऑपरेशन चीयर्श अभियान चलाया गया । जिसमें जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी द्वारा अपने सर्किल व समस्त थानों द्वारा अपने अपने क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले शराब की दुकानों , मॉडल शापों के पास इधर उधर खुले में शराब पीकर अव्यवस्था फैलाते है और नशे की हालत में सड़को पर अपनी तथा दूसरों की जान को जोखिम में डालते हैं , उनके विरुद्ध पुलिस एक्ट 34 (शहरी क्षेत्र) व 290 भादवि (ग्रामीण क्षेत्र) में कार्यवाही कर मुचलके / चालान के माध्यम से विधिक कार्यवाही कर पाबंद किया गया। ऑपरेशन चीयर्स के अन्तर्गत सर्किलवार की गयी इस कार्यवाही मे सदर से 154 अभियुक्त पकड़े गये। फरेन्दा से 51 निचलौल से 28 नौतनवा से 106 अभियुक्त पकड़े गये।

व्यापारियों ने पुलिस महानिरीक्षक के सत्यनारायण का किया स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कन्फेडरेशन ऑफ बनारस व्यापार मंडल के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस महानिरीक्षक के सत्यनारायण (वाराणसी जोन) से मिला और पिछले दिनों लॉन संचालक की हुई निर्मम हत्या के बाबत व्यापारियों व आमजन के द्वारा प्रशासन को दी गई 48 घंटे की मोहलत के अंदर लगभग 24 घंटे में ही अपराधियों का खुलासा कर गिरफ्तार करने के लिए व्यापार मंडल ने पुलिस महानिरीक्षक और उनकी पूरी टीम को अभिनंदन पत्र देकर बधाई और शुभकामनाएं दी कन्फेडरेशन आफ बनारस व्यापार मंडल के अध्यक्ष विनय गुप्ता ने पुलिस महानिरीक्षक से अपराध पर चर्चा करते हुए कहा कि जिस तरह से आपके द्वारा समय के अंदर अपराधियों को पकड़ा गया ` मयफोर्स पूरी वाराणसी टीम अपनी सक्रियता इसी तरह निभाती रही तो हम व्यापारीगण भयमुक्त होकर अपना व्यापार कर सकेंगे। जिलाध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर द्वारा पुलिस और व्यापारियों के बीच

अच्छे और मधुर तालमेल होने अनिवार्य है क्योंकि व्यापारियों का व्यापार करना आज के समय में बहुत कठिन हो चला है इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से व्यापारियों और प्रशासन के बीच तालमेल अच्छा होना चाहिए और हम उम्मीद करते हैं कि पूर्व की भांति प्रशासन के द्वारा महीने में एक बार व्यापारियों और प्रशासन के बीच मासिक बैठक का आयोजन पुनः शुरू किया जाए ` इस पर पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि यह अति उत्तम विचार है हम बहुत जल्द ही व्यापार मंडल के इस विचार पर बहुत जल्द अमल करेंगे तथा प्रयास करेंगे कि व्यापारी और प्रशासन के बीच तालमेल अच्छा रहे और भयमुक्त होकर व्यापारी व्यापार करें जिससे हमारे काशी का नाम सर्वोपरि रहे। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से अध्यक्ष विनय गुप्ता, जिलाध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर, कोषाध्यक्ष दिनेश कसौधन तथा डॉ राजेश तिवारी, मनीष चौबे, मोहन यादव, शैलेंद्र सिंह, प्रकाश जयसवाल, संदीप यादव, अजय यादव, अमित लालवानी, मनोज पांडेय ,संदीप श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित थे।

वाराणसी व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल पुलिस महानिरीक्षक श्री के. सत्यनारायणा से मिला पुष्पगुच्छ देकर किया सम्मानित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व में वाराणसी व्यापार मंडल का प्रतिनिधिमंडल पुलिस महानिरीक्षक से मिला वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के वरिष्ठ राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री अजीत सिंह बग्गा तथा विभिन्न विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने श्री सत्यनारायण को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया तथा काशी की परंपरानुसार अंगवस्त्रम से उनका स्वागत किया । श्री बग्गा ने जौनपुर पुलिस द्वारा लान व्यवसाई के हत्या के मामले में तुरंत कार्रवाई तथा खुलासे पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया तथा देहात क्षेत्र में पुलिसिंग को और सुदृढ करने की मांग की` पुलिस महानिरीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि व्यापारियों द्वारा सुझाए गए समाधानो पर कार्रवाई की जाएगी और उन्होंने व्यापारिक-पुलिस

संवाद को और मजबूत करने के लिए वाराणसी व्यापार मंडल को एक अधिवेशन बुलाने के लिए कहा साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी व्यापारी को किसी भी गुंडा माफिया से डरने की जरूरत नहीं है अगर किसी को किसी भी प्रकार का भय या रंगदारी की समस्या हो या पुलिस से मदद की जरूरत होगी वहां पूरा पुलिस डिपार्टमेंट व्यापारियों के साथ खड़ा मिलेगा, उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों से कहा कि वे किसी भी समस्या को लेकर उन से मिल सकते है उनका कार्यालय हमेशा उन का स्वागत करेगा ` इस प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष श्री अजीत सिंह बग्गा, महामंत्री कविंद्र जायसवाल, संयुक्त महामंत्री मनीष गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, युवा अध्यक्ष संजय गुप्ता, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष संजीव सिंह, मैरेज लॉन व्यवसायी संगठन के अध्यक्ष अनिल पटेल ,सौमित्र अग्रवाल ,न्याय मंच अध्यक्ष शीतलाल आनंद ,एस एस बहल, प्रभाकर सिंह, नरेंद्र सोनी, दीप्ति मान देव गुप्ता, विकाश गुप्ता,राज सोनी, सुनीता सोनी,चांदनी श्रीवास्तव, सोनम , डोली ,निर्मल देवी,राजू राय , सुजीत वर्मा समेत भिन्न - भिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे ।

सीओ अजय सिंह चौहान ने बलात्कारी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जिला कारागार भेजा

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज क्षेत्राधिकारी सदर अजय सिंह चौहान द्वारा बलात्कार एससी एसटी एक्ट से संबंधित अभियोग का वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर मात्र 9 दिनों में किया निस्तारण । वादी रविन्दर पुत्र स्व 0 जगदेव निवासी गगराई टोला झुंगवा थाना कोतवाली महराजगंज द्वारा दिनांक 08.03.2022 को थाना कोतवाली , महराजगंज में तहरीरी सूचना दिया गया कि कल्पना (काल्पनिक नाम) के साथ विक्की पुत्र श्रीकान्त निवासी गंगराई टोला झंगवा थाना कोतवाली जनपद महराजगंज ने बलात्कार किया गया है जिसकी सूचना पर दिनांक 08.03.2022 को थाना कोतवाली महराजगंज में मु 0 अ 0 सं 0 76/2022 धारा 376 भादवि व 3 (2) 5 एससी / एसटी एक्ट विरूद्ध विक्की पुत्र श्रीकान्त निवासी गंगराई टोला झंगवा थाना कोतवाली जनपद महराजगंज के पंजीकृत हुआ , जिसकी विवेचना अजय सिंह चौहान , क्षेत्राधिकारी सदर महराजगंज द्वारा सम्पादित की गयी । अभियोग पंजीकृत होने के उपरान्त विवेचक क्षेत्राधिकारी सदर महराजगंज द्वारा अनवरत विवेचना की गयी , परिणाम स्वरूप अभियोग पंजीकृत होने के अगले ही दिनांक 09.03.2022 को ही अभियुक्त विक्की पुत्र श्रीकान्त निवासी गंगराई टोला झंगवा थाना कोतवाली जनपद महराजगंज को गिरफ्तार कर जिला कारागार महराजगंज भेजा गया । विवेचना में वादी , पीड़िता अन्य गवाहो व वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मात्र 09 दिनों (जबकि इस तरह की विवेचनाओं के निस्तारण के लिए 60 दिन का समय निर्धारित है) में विवेचना का निस्तारण कर दिया गया और साक्ष्यों के आधार पर दोषी पाये जाने पर अभियुक्त विक्की पुत्र श्रीकान्त निवासी गंगराई टोला झंगवा थाना कोतवाली जनपद महराजगंज के विरूद्ध दिनांक 17.03.2022 को आरोप पत्र मा ० न्यायालय प्रेषित कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

फरार चल रहे शराब तस्कर को बृजमनगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज। थाना क्षेत्र के बृजमनगंज पुलिस द्वारा विगत 1 वर्ष से फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल। पुलिस अधीक्षक महाराजगंज के नेतृत्व में अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार व क्षेत्राधिकारी फरेंदा सुनील दत्त दुबे के कुशल पर्ववेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बृजमनगंज पुलिस द्वारा विगत 1 वर्ष से फरार चल रहे शराब तस्कर को आज दिनांक 25 मार्च 2022 को लोध पुरवा से गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार अभियुक्त श्यामदेव लोध पुत्र प्रशांत लोध ग्राम हाथि गढ़वा टोला लोध पुरवा थाना बृजमनगंज महाराजगंज से भारी मात्रा अवैध शराब एवं शराब बनाने के उपकरण सहित शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई थी परंतु अभियुक्त पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था अभियुक्त दिनांक 3 -6-2021 से फरार चल रहा था माननीय न्यायालय द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध कुर्की की उद्घोषणा जारी की गई थी आज र ड बृजमनगंज देवेंद्र सिंह वाईफाई देवेंद्र सिंह की टीम द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया।

चौथी बार 27 मार्च को आयोजित होगा ग्रीन सिने अवार्ड, सम्मानित होंगे भोजपुरी, बॉलीवुड व मराठी कलाकार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ग्रीन इंडिया के तहत शुरू हुआ 'ग्रीन सिनेमा अवार्ड' 27 मार्च 2022 को मुंबई के शिवार गार्डन में आयोजित होगा। 'ग्रीन सिनेमा अवार्ड' का यह चौथा साल है, जब इस अवार्ड शो में भोजपुरी के साथ बॉलीवुड और मराठी सिनेमा के कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। इसकी जानकारी इस शो के आयोजक विजय पांडेय ने दी। उनके साथ इसके आयोजक सोनू सुरीला हैं और पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं। विजय पांडेय ने बताया कि मनोरंजन हेतु सशक्त भूमिका निभाने के लिए सभी कलाकारों को ग्रीन सिनेमा अवार्ड से नवाजा जाएगा। इस शो का प्रसारण भोजपुरी के लोकप्रिय टीवी चैनल ऑस्कर भोजपुरी पर होगा। उन्होंने बताया कि इस अवार्ड शो में सिने कलाकारों के बेहतरीन योगदान के लिए प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया जायेगा। हम इस आयोजन को चौथे साल कर बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह आयोजन बीते 3 सालों से सफलतापूर्वक आयोजित हो रहा है। उन्होंने बताया कि अवार्ड शो के दौरान हम खास तौर पर कोविड प्रोटोकॉल का ख्याल रखेंगे ग्रीन सिनेमा अवार्डस में बेस्ट फिल्म, बेस्ट ऐक्टर अवॉर्ड, बेस्ट ऐक्ट्रेस अवॉर्ड, स्पेशल मेंशन अवॉर्ड, बेस्ट नरेशन, बेस्ट म्यूजिक, बेस्ट ऑडियोग्रफी, बेस्ट लोकेशन साउंड, बेस्ट सिनमैटॉग्रफी, बेस्ट डायरेक्शन, बेस्ट फिल्म ऑन सोशल इशू, बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर, बेस्ट ऐक्शन डायरेक्टर , बेस्ट कोरियॉग्रफी, बेस्ट लिरिक्स, बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट, बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर, बेस्ट एडिटिंग, बेस्ट स्क्रीनप्ले, बेस्ट सिनमैटोग्रफी, बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर, बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर आदि कैटेगरी में यह अवार्ड दिया जायेगा।

राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त नारी शक्ति पुरस्कार प्राप्त डा० नीरजा माधव ने कराया ध्येय यात्रा पुस्तक का अग्रिम पंजीकरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, काशी महानगर के कार्यकताओं द्वारा राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त नारी शक्ति पुरस्कार प्राप्त तथा आकाशवाणी गोरखपुर की निदेशक डॉ० नीरजा माधव ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के सात दशकों की यात्रा पर प्रकाशित होने जा रही पुस्तक ध्येय-यात्रा : अभाविप की ऐतिहासिक जीवनगाथा का अग्रिम पंजीयन करवाया गया। अभाविप की यह जीवन यात्रा दो खंडों में 800 से अधिक पन्ने की व 24 रंगीन सचित्र पृष्ठ में प्रकाशित हो रही है,

जिसका विमोचन आगामी 15 अप्रैल को दिल्ली में होगा। काशी प्रांत के प्रदेश सहमंत्री शुभम कुमार सेठ ने बताया कि पुस्तक के खंड एक में स्थापना की पृष्ठभूमि, वैचारिक अधिष्ठान, संगठन का स्वरूप और विकास क्रम, छात्र आंदोलन की रचनात्मक दिशा, शिक्षा क्षेत्र, छात्र-हित, राष्ट्रहित में साहसिक प्रयास शमिल है, खंड दो में छात्र नेतृत्व एवं अभाविप, वैश्विक पटल पर, ऐतिहासिक प्रस्ताव, राष्ट्रीय, सामाजिक एवं शैक्षिक मुद्दे, विविध आयाम, महत्व, प्रभाव और उपलब्धियाँ शामिल हैं, जिसमें अभी तक काशी महानगर में कुल 400 से ज्यादा लोगों ने अग्रिम पंजीकरण कराया है। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् की महानगर उपाध्यक्षा व सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की हिन्दी विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डा० नीलम सिंह जी, मनोज आनन्द मिश्रा व सोनू सिंह भी उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं